RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 207 , बुधवार, 09 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

36 घंटे में सुलझी तीन किशोरियों के लापता होने की गुत्थी, गोरखपुर से सकुशल बरामद... 03

13 जिलों के 34.31 लाख लोग प्रभावित, सुल्तानगंज में गंगा ने तोड़ा रिकॉर्ड 04

चिरंजीवी की 'काका में अनखरा राजन की एंट्री, बोलीं-मेगा स्टार के साथ... 07

वैश्विक वयस्क तंबाकू सर्वेक्षण के आंकड़े कर रहे चिंतित

गुटखा, खैनी पर बैन के बावजूद,फैल रहा है ओरल कैंसर, बढ़ रहे हैं मौत के मामले?

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वाद, परंपरा या सीधे मौत का बुलावा? जिसे हम भाईचारे का प्रतीक मानकर फूंक रहे हैं, और जिसे शौक समझकर चबा रहे हैं, वो असल में हमारी जिंदगी का 'डेथ वारंट' है। आंकड़े गवाह हैं कि जागरूकता के अभाव में ओरल कैंसर आज एक भयानक महामारी बन चुका है। देश में हर साल करीब 60 से 70 हजार नए मामले सामने आ रहे हैं, जबकि 40 हजार के करीब दर्दनाक मौतें हो रही है। यानी रोजाना लगभग 110 से ज्यादा लोग दम तोड़ रहे हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण और वैश्विक वयस्क तंबाकू सर्वेक्षण के आंकड़े रोंगटे खड़े करने वाले हैं।

आज देश की राजधानी दिल्ली में हर 5वां पुरुष तंबाकू के इस जानलेवा जाल में घुट रहा है, तो वहीं हरियाणा के रोहतक और झज्जर इसके सबसे बड़े 'हॉट-स्पॉट' बन चुके हैं, जहां चौपालों की शान कहा जाने वाला हुक्का अब युवाओं के फेफड़ों और मुंह को अंदर ही अंदर गला रहा है। आखिर बैन होने के बावजूद देश में कैंसर के मामले क्यों बढ़ रहे है? तंबाकू-विरोधी कानून के लागू होने के बावजूद इसके पूर्ण कार्यान्वयन में कई बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं।

- **'ट्विन-पाउच' मॉडल:** राजधानी दिल्ली सहित देश के कई हिस्सों में खाद्य सुरक्षा कानूनों के तहत पान मसाले में सीधे तंबाकू या निकोटीन मिलाने पर पूरी तरह रोक है, लेकिन इसके तोड़ में कंपनियों ने पान मसाला और सुगंधित तंबाकू को अलग-अलग पाउच में बेचना शुरू कर दिया। लोग इन पैकेटों को एक साथ खरीदते हैं और मिलाकर खाते हैं, जिससे गुटखा बैन सिर्फ कागजों पर ही रह गया. इसके अलावा एक आम धारणा बन चुकी है कि बिना तंबाकू वाला पान मसाला सुरक्षित है, जो बिल्कुल गलत है। पान मसाले का मुख्य घटक सुपारी खुद एक ग्रुप-1 कार्सिनोजेन (कैंसर पैदा करने वाला तत्व) है. इसके कारण मुंह के अंदरूनी हिस्से का लचीलापन खत्म हो जाता है जिसे ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस - ओएसएफ कहा जाता है. इससे मुंह खुलना बंद हो जाता है और यही आगे चलकर कैंसर का रूप ले लेता है।
- **सरोगेट विज्ञापन :** तंबाकू कंपनियां सीधे विज्ञापन पर रोक के बावजूद इलायची, पान मसाला या माउथ फ्रेशनर के नाम पर ब्रांड का प्रचार करती हैं। इससे युवाओं में भ्रम बना रहता है और अप्रत्यक्ष रूप से तंबाकू ब्रांड्स को बढ़ावा मिलता है।
- **ब्लैक मार्केट और आसान उपलब्धता:** प्रतिबंध के बाद भी गुटखा और चबाने वाले तंबाकू उत्पाद चोरी-छिपे और ब्लैक मार्केट में ऊंचे दामों पर आसानी से मिल जाते हैं। पान की गुमटियों से लेकर किराना दुकानों तक इसकी चेन बेहद मजबूत है।

गोंदिया-बालाघाट हाईवे पर ट्रक और पिकअप की भिड़ंत

छह लोगों की मौत, 7 घायल

गोंदिया (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। गोंदिया-बालाघाट हाईवे पर नागरा-मोहरनटोली के पास एक तेज रफ्तार ट्रक और पिकअप गाड़ी के बीच आमने-सामने की भयानक टक्कर हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में पिकअप में सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए।

हादसे में शामिल सभी लोग मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के रहने वाले थे। खबर के मुताबिक, सुबह-सुबह हैदराबाद काम के लिए मजदूरों को ले जा रही पिकअप का यह भयानक एक्सीडेंट हो गया। एक तेज रफ़्तार ट्रक और पिकअप में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप गाड़ी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स समिट के लिए भारत आएंगे

नई दिल्ली/मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। 11 सितंबर को नई दिल्ली में ब्रिक्स नेताओं की बैठक से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन की द्विपक्षीय बैठक होगी।

रूस के राष्ट्रपति ऑफिस क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इस मुलाकात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि भारत को रूस अपना रणनीतिक साझेदार मानता है और दोनों देशों के रिश्ते उसके लिए बेहद अहम हैं। उन्होंने बताया कि भारत और रूस के बीच ज्यादातर भुगतान अब दोनों देशों की अपनी-अपनी करेंसी में हो रहा है। इससे पहले पुतिन 4 दिसंबर 2025 को भारत आए थे।

राजस्थान के 162 नगरीय निकायों में आज वोटिंग

- **सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा मतदान**

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के 162 नगरीय निकायों (नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका) में पहले चरण में बुधवार को मतदान होगा। सुबह 7 से शाम 6 बजे तक वोटिंग होगी। मतदान केंद्रों की कंट्रोलिंग लेने के लिए मंगलवार को ईवीएम के साथ पोलिंग पार्टियां रवाना हो गईं।पहले चरण में जिन नगरीय निकायों में वोटिंग है, उनमें 17 नगर पालिका के 25, चार नगर परिषद के 6 और एक नगर निगम के 1 वार्ड में निर्विरोध सदस्य निर्वाचित हो चुके हैं। जयपुर जिले की बात करें तो यहां 18 निकायों में 565 बूथों पर वोटिंग होगी।

बीजेपी ने चलाया अनुशासन का डंडा, 41 बागी नेता पार्टी से बेदखल- निकाय चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर बागी होकर चुनाव मैदान में कूदने वालों के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने सख्त कार्रवाई की है। पार्टी ने अनुशासन का डंडा चलाते हुए प्रदेशभर से कुल 41 स्थानीय नेताओं को पार्टी से निष्कासित किया है। इनमें बागी होकर चुनाव लड़ने वाले और निर्दलीय प्रत्याशियों का समर्थन करने वाले नेता शामिल है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री और मुख्यालय प्रभारी श्रवण सिंह बगड़ी ने निष्कासन के आदेश जारी किए हैं।

41 में से 26 नेता जयपुर के

प्रदेश भाजपा की ओर से अलग अलग जिलों से कुल 41 स्थानीय नेताओं को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित करने की सूची जारी की है। इन 41 नेताओं में से 26 नेता जयपुर के हैं। पार्टी से निष्कासित किए गए इन 26 नेताओं में से 24 नेता वे हैं जो निकाय चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर नाराज होते हुए बागी चुनाव मैदान में उतरे हैं।

भारत के नौजवानों के लिए एआई में पारंगत होना जरूरी'

- **पीएम मोदी बोले- ये समय जीवन में लौटकर नहीं आएगा**

वडोदरा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात के वडोदरा में विकास की कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान कार्यक्रम में आए युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के नौजवानों के लिए एआई

में पारंगत होना जरूरी है। हम चाहते हैं कि भारत के नौजवानों की पीढ़ी एआई के लिए तैयार हो।

उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि एआई सीखने वालों की जरूरत सिर्फ आईटी सेक्टर में है। अगर कोई स्किल को जानता है तो वो खेती के लिए नया एआई सॉल्यूशन बना सकता है। आरोग्य के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी विकसित कर सकता है, मैन्युफैक्चरिंग में प्रोडक्टिविटी बढ़ा सकता है, रोबोटिक्स में अपना स्टार्टअप शुरू कर सकता है।

- पीएम मोदी ने वडोदरा में 35,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वडोदरा में 35,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के अलग-अलग डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स की नींव रखी, उनका उद्घाटन किया और उन्हें समर्पित किया। 'नमो फॉर विकसित भारत' इवेंट में मौजूद भीड़ ने उनका जोरदार स्वागत किया। वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के तीन जरूरी सेक्शन, जो 326 रूट किलोमीटर को कवर करते हैं, 20,700 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से डेवलप किए गए हैं। इनमें न्यू सानंद -न्यू मकरपुरा, न्यू उंबरगांव-न्यू सफले और न्यू सफले- न्यू जेएनपीटी सेक्शन शामिल हैं।

धुरंधर के गाने पर मोदी की एंट्री

रैंप पर चले,जेन-जी संवाद में राहुल पर तंज- झूठ की गूंज से भटकाने वाले हर चौराहे पर मिलेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा में जेन-जी से 25 मिनट संवाद किया। इस कार्यक्रम के लिए 6 हजार युवाओं को बुलाया गया था। मोदी ने युवाओं से झूठे दावों और भ्रामक बातों से बचने की अपील की। पीएम ने कहा, लोग आपको झूठ की गूंज से गुमराह करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप सच्चाई के साथ खड़े रहना। मोदी का यह बयान राहुल गांधी और कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' अभियान पर तंज माना जा रहा है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए खास तौर पर बाय आकार का रैंप बनाया गया था। भाषण से पहले पीएम रैंप पर चलकर युवाओं के बीच पहुंचे। मंच पर पहुंचते ही क्वीन का मशहूर गाना 'वी विल रॉक यू' बजाया गया। इसके बाद 'धुरंधर' का गाना 'आरी आरी' भी बजा। एक स्टूडेंट ने उन्हें तस्वीर भी गिफ्ट की।

अब नाराज फूफाजी पूछेंगे कि ट्रक वालों का क्या होगा- फ्रेट कॉरिडोर पर 'नाराज फूफाजी' वाला तंजः जेएनपीटी मुंबई से डबल कंटेनर मालगाड़ी चलने से एक बार में 250 से ज्यादा ट्रकों के बराबर माल मुंबई से वडोदरा पहुंचा। अब 'नाराज फूफाजी' पूछेंगे कि ट्रक वालों का क्या होगा, लेकिन देश के एक कोने से दूसरे कोने तक माल पहुंचाने के लिए ऐसी कनेक्टिविटी जरूरी है।

दिल्ली पीजी हादसा- राजधानी की सभी इमारतों की जांच होगी

एमसीडी ने 3 दिन में रिपोर्ट मांगी, सुप्रीम कोर्ट हादसे पर 10 सितंबर को सुनवाई करेगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसे के बाद नगर निगम (एमसीडी) ने पूरी दिल्ली में इमारतों की जांच के आदेश दिए हैं। उधर, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह बिल्डिंग गिरने के हादसे पर 10 सितंबर को सुनवाई करेगा। कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने पर केस को हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किया जाएगा। एमसीडी ने सभी जोन के एग्जीक्यूटिव इंजीनियरों (बिल्डिंग) से अपने क्षेत्र की इमारतों का निरीक्षण कर 10 सितंबर तक रिपोर्ट देने को कहा है। जांच के दौरान जुटाई गई जानकारी को दिल्ली हाईकोर्ट में 10 दिन के भीतर दाखिल किए जाने वाले हलफनामे में शामिल किया जाएगा। सुनवाई 25 सितंबर को होगी।

- **सत्य निकेतन हादसे के बाद बढ़ा छात्रों का गुस्सा, प्रदर्शन कर सुरक्षित हॉस्टल और सस्ते आवास की कर रहे मांग-** दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दक्षिण परिसर स्थित सत्य निकेतन इलाके में एक जर्जर इमारत गिरने से सात छात्रों की दुखद मौत की खबर ने अब नया मोड़ ले लिया है। इस हादसे के बाद छात्रों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा है। आक्रोशित छात्रों ने सड़क जाम कर नगर निगम और प्रशासन के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

लखनऊ एयरपोर्ट पर राहुल गांधी के विमान की लैंडिंग अटकी, गो-अराउंड के बाद सुरक्षित उतरा

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को दिल्ली से लखनऊ आ रहे थे। लखनऊ से रायबरेली जाने का उनका कार्यक्रम फ्लाइट के एक बार में लैंड न होने के कारण विलंबित हो गया। दिल्ली से लखनऊ आ रहा एअर इंडिया का विमान एआई-1717 मंगलवार को हवा के अधिक दबाव के कारण लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट अमौसी में एक बार में लैंडिंग नहीं कर सका। लखनऊ के ऊपर मंडराने के बाद विमान दूसरा चक्कर लगाने के बाद सुरक्षित लैंड हुआ। इस विमान में रायबरेली से कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी सवार थे।

झारखंड हाईकोर्ट ने आरोपी को दी राहत, कहा- 4 साल नहीं 8 महीने की सजा पर्याप्त

महिला के घर में घुसना,कपड़े उठाना रेप की कोशिश नहीं

रांची (एजेंसी)। झारखंड हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के प्रयास के करीब 27 साल पुराने मामले में आरोपी की दोष सिद्धि बरकरार रखते हुए सजा में बड़ी राहत दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि रात में महिला के घर में घुसना, उसे पकड़ना, कपड़े उठाना या उसके साथ अशोभनीय हरकत करना गंभीर अपराध है, लेकिन हर ऐसी हरकत को स्वतः दुष्कर्म का प्रयास नहीं माना जा सकता।

दुष्कर्म के प्रयास का अपराध तभी बनता है, जब आरोपी की ओर से ऐसा प्रत्यक्ष और निर्णायक कृत्य किया गया हो, जो दुष्कर्म को अंजाम देने की दिशा में स्पष्ट रूप से आगे बढ़ रहा हो। जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने घाटशिला से जुड़े कमलेंदु महतो उर्फ खोका की आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने मामले में आईपीसी की धारा 354 के तहत अपराध माना और आरोपी को पहले सुनाई गई 4 साल की सजा के बजाय 8 महीने की सजा को पर्याप्त माना।

- **आरोपी को भागते देखा, घटना किसी ने नहीं देखी-** हाईकोर्ट ने मामले में पेश किए गए गवाहों के बयानों का भी बारीकी से विश्लेषण किया। पीड़िता के भाई ने अदालत को बताया कि उसे घटना की जानकारी अपनी बहन से मिली थी। वह घटना का प्रत्यक्षदर्शी नहीं था।वहीं पड़ोसी प्रफुल्ल कुमार सिंह, परी सिंह, बुधी सिंह, अनंतो सिंह समेत अन्य गवाहों ने पीड़िता की आवाज और शोर सुनने तथा आरोपी को उसके घर से भागते देखने की बात कही। किसी भी अन्य गवाह ने घटना को अपनी आंखों से नहीं देखा था। अदालत ने इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए माना कि आरोपी ने महिला की लज्जा भंग करने के इरादे से उस पर हमला किया था। इसलिए उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 354 के तहत अपराध बनता है। हालांकि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दुष्कर्म के प्रयास की धारा को उसी रूप में कायम रखना उचित नहीं माना गया।
- **आधी रात को घर में घुसा था आरोपी, शोर मचाने पर भागा-** मामला 27 दिसंबर 1999 की आधी रात का है। पीड़िता अपने घर में सो रही थी, जबकि उसकी मां बगल के कमरे में थीं। घर में उस समय कोई पुरुष सदस्य मौजूद नहीं था। रात करीब 12 बजे पीड़िता ने जबरन दरवाजा खोले जाने की आवाज सुनी। इसके बाद आरोपी कमलेंदु महतो उर्फ खोका कमरे में घुस आया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने दुष्कर्म करने का प्रयास किया। महिला ने शोर मचाया और आरोपी को अपने शरीर से हटाया।

मंदिर टूट गया, पर हनुमान जी टस से मस न हुए

उज्जैन में प्रशासन पस्त, संत बोले- यह चमत्कार नहीं तो क्या है?

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन के अति प्राचीन खड़े हनुमान मंदिर की प्रतिमा के विस्थापन को लेकर साधु-संतों और हिंदूवादी संगठनों का विरोध जारी है। प्रशासन पिछले करीब पांच दिनों से प्रतिमा को हटाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन सफलता नहीं मिली है। पुरातत्वविद् प्रो. डॉ. रमण सोलंकी के अनुसार, यह दुर्लभ प्रतिमा मालवा के बेसाल्ट पत्थर से बनी है और परमार काल व राजा भोज की शिल्पकला को दर्शाती है। उज्जैन के अति प्राचीन खड़े हनुमान मंदिर की प्रतिमा के विस्थापन को लेकर मंदिर के बाहर आज भी साधु-संतों और हिंदूवादी संगठनों का जमावड़ा लगा हुआ है। उनका कहना है कि जब भगवान हनुमान स्वयं प्रतिमा को हटाया जाना नहीं चाहते तो प्रशासन आखिर प्रतिमा को विस्थापित करने का प्रयास क्यों कर रहा है। इधर, संतों का कहना है यह किसी चमत्कार से कम नहीं है।

क्या बोले पुरातत्वविद् प्रो. डॉ. रमण सोलंकी

विक्रम विश्वविद्यालय के पुरातत्वविद् प्रो. डॉ. रमण सोलंकी के अनुसार, यह दुर्लभ प्रतिमा मालवा के विशेष बेसाल्ट पत्थर से तैयार की गई है, जो परमार काल और राजा भोज के शासनकाल की शिल्पकला को दर्शाती है। डॉ. सोलंकी ने बताया कि प्रशासन पिछले करीब पांच दिनों से इस प्रतिमा को विस्थापित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि प्रतिमा को यहां लॉकिंग सिस्टम के अनुसार स्थापित किया गया है। प्राचीन काल में लोहे या अन्य आधुनिक उपकरण उपलब्ध नहीं होते थे।

संक्षिप्त समाचार

गंगा में 11 लोगों से भरी नाव पलटी, गांधी सेतु के पास तेज धार में डूबी, 9 लोगों को बचाया गया

हाजीपुर। वैशाली में मंगलवार की दोपहर महात्मा गांधी सेतु के पाया नंबर-10 के पास 11 लोगों से भरी नाव पलट गई। बताया जा रहा है कि नाव राघोपुर से दीघा की ओर जा रही थी। इसी दौरान गांधी सेतु पुल के पास तेज धारा में फंसकर अनियंत्रित हो गई और डूब गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों के साथ प्रशासन और बचाव दल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है। वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद वैशाली डीएम वर्षा सिंह मौके पर पहुंची। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। 9 लोगों को बचा लिया गया है। जबकि 2 लोग दीपक कुमार और चंदन कुमार गायब हैं। उनकी तलाश की जा रही है।

बोल्डर से टकराते ही अनियंत्रित हुई नावः स्थानीय लोगों के अनुसार, नाव तेरसिया दियारा क्षेत्र से गुजर रही थी। इसी दौरान महात्मा गांधी सेतु के पाया नंबर-10 के पास नाव बोल्डर से टकरा गई। टक्कर के बाद नाव अनियंत्रित हुई और देखते ही देखते नदी की तेज धारा में डूब गई। नाव में सवार लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। कुछ लोग पानी में गिर गए। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने शोर सुनकर बचाव की कोशिश शुरू की। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन मौके पर पहुंचे। तेरसिया गांव के रहने वाले सुनील राज ने बताया, उनके गांव से करीब 10 लोग एक नाव पर सवार होकर बाजार की ओर जा रहे थे। रास्ते में पानी के अंदर एक कंपनी का डिवाइडर रखा हुआ था, जो पानी में दिखाई नहीं दे रहा था। नाव उससे टकरा गई और पलटकर डूब गई। हादसे में नाव पर सवार 10 लोग डूब गए। इनमें से ग्रामीणों की मदद से 8 लोगों को बाहर निकाल लिया गया, जबकि 2 लोग अब तक लापता हैं। उन्होंने बताया कि नाव के पानी में जाने के बाद काफी देर तक कुछ पता नहीं चला। काफी खोजबीन के बाद 9 लोगों को बचा लिया गया, जबकि 2 लोगों की तलाश जारी है।

बाढ़ पीड़ितों के मदद के लिए आगे आए कांग्रेसी, 200 लोगों के लिए कम्युनिटी किचन, कार्यकर्ताओं ने खाना बनाया

पटना। बिहार में नदियां विकराल रूप में है। बाढ़ की स्थिति और भी भयावह हो गई है। लोगों के मोहल्ले और घरों तक पानी आ गया है। ऐसे में कांग्रेस भी बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए उतरी है। पटना-सोनपुर के बीच वाला इलाका भी जलमग्न हो गया है। कांग्रेस सेवा दल की ओर से बाढ़ पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री बांटी जा रही है। यहां तक की कांग्रेसी खुद कम्युनिटी किचन की व्यवस्था कर बाढ़ पीड़ितों के लिए खाना बना रहे हैं।

नाव से घर-घर पहुंचाई राहत सामग्रीः आलाकमान से निर्देश मिलने पर सेवा दल के कुमार रोहित इसका नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें हमारे नेता से निर्देश मिला है कि बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करें और उन तक जितना हो सके राहत सामग्री पहुंचाएं। उसी क्रम में हमें मध्यवर्ती पंचायत के उपमुखिया सतीश शर्मा से जानकारी मिली कि यहां पर सारा गांव डूबा हुआ है, तो हम नाव से घर-घर राहत सामग्री पहुंचा रहे हैं। यहां लगभग हर घर एक फ्लोर का बना हुआ है, जो बाढ़ के पानी के कारण डूब चुकी है। ऐसे में लोग छतों पर रह रहे हैं।

प्रभावित लोगों के लिए सामुदायिक रसोई की व्यवस्थाः राहत पैकेट में चावल, दाल, आटा, चीनी, चना, सोयाबीन, चूड़ा, मीठा, चायपत्ती और नमक सहित रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल है। राहत सामग्री वितरण के साथ प्रभावित लोगों के लिए सामुदायिक रसोई की भी व्यवस्था की गई। आयोजकों के अनुसार, इसमें करीब 200 लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई, ताकि बाढ़ की स्थिति में जरूरतमंद परिवारों को तत्काल भोजन उपलब्ध हो सके।

एमएलसी चुनाव पर जन सुराज ने उठाए सवाल, प्रदेश अध्यक्ष बोले- चुनाव आयोग क्षेत्रवार स्नातक-शिक्षक की लिस्ट बनाए, राजनीतिक दलों को प्रचार का समय मिलेगा

पटना। बिहार में प्रस्तावित शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के MLC चुनाव से पहले मतदाता सूची को लेकर जन सुराज ने सवाल खड़ा किया है। जन सुराज पार्टी ने MLC चुनाव की मतदाता सूची तैयार करने की मौजूदा प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग से इसमें बदलाव की मांग की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने कहा कि जिस तरह लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता सूची चुनाव आयोग स्वयं तैयार करता है, उसी तरह शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के MLC चुनाव की मतदाता सूची भी आयोग को ही तैयार करनी चाहिए। पाटलिपुत्रा कॉलोनी स्थित जन सुराज पार्टी कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बिहार में चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए आने वाले एक-दो महीनों में MLC चुनाव प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि इन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची तैयार करने की मौजूदा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से संबंधित एक निर्धारित समयसीमा तय की गई थी। इसके आधार पर 15 नवंबर 2025 तक आवेदन एवं मतदाता सूची से जुड़ी प्रक्रिया पूरी की जानी थी। इसके बाद 31 दिसंबर 2025 तक मतदाता सूची की घोषणा की गई।

MLC चुनाव की सूची भी आयोग तैयार करे- मनोज भारतीः जन सुराज प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग के अधिकारी घर-घर और क्षेत्रवार मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया पूरी करते हैं। ऐसे में MLC चुनाव के लिए भी आयोग के पास आवश्यक व्यवस्था मौजूद है। उन्होंने सुझाव दिया कि मतदाता सूची तैयार करने के दौरान एक अतिरिक्त कॉलम जोड़ा जा सकता है, जिसके माध्यम से यह दर्ज किया जाए कि संबंधित मतदाता स्नातक हैं या शिक्षक। इसके आधार पर शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अलग-अलग मतदाता सूची तैयार की जा सकती है। मनोज भारती ने कहा कि यदि चुनाव आयोग खुद मतदाता सूची तैयार कर समय रहते प्रकाशित कर दे, तो सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को चुनाव की तैयारी के लिए समान अवसर मिलेगा।

केंद्रीय चुनाव आयोग से प्रक्रिया बदलने की मांगः मनोज भारती ने कहा कि यह मुद्दा पहले भी बिहार चुनाव आयोग के अधिकारियों और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के सामने रखा गया था। वहां से बताया गया कि इस संबंध में नीति केंद्र स्तर पर तय होती है। उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग से मांग की कि देश में जहां भी शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के MLC चुनाव होते हैं, वहां संबंधित राज्य की चुनावी इकाइयों को मतदाता सूची स्वयं तैयार करने का निर्देश दिया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची समय पर प्रकाशित होने से उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को प्रचार-प्रसार एवं चुनावी तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलेगा, जैसा विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान होता है। जन सुराज के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार सौरभ ने कहा कि बिहार के चार शिक्षक और चार स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में विधान परिषद सदस्यों के चुनाव होने हैं और इसकी अधिसूचना भी जल्द जारी होने की संभावना है।

10 हजार रिश्वत लेते दारोगा गिरफ्तार गांधी मैदान ट्रैफिक थाना के हैं दरोगा

एजेंसी, पटना

- लड़की की स्कूटी रोकने का वीडियो आया था सामने

पटना में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने रिश्वतखोरी के मामले में ट्रैफिक थाने में तैनात दारोगा उपेंद्र शाह को गिरफ्तार किया है। इनके अलावा जहानाबाद में मनरेगा सदर प्रखंड के जेई अमन कुमार 20000 और DTO ऑफिस शेखपुरा में तैनात बड़ा बाबू कुणाल को 15000 रुपए लेते पकड़ा गया है। निगरानी की टीम ने उन्हें जेपी गंगा पथ से उस समय पकड़ा, जब वह एक मामले के पीड़ित से 10 हजार रुपए रिश्वत ले रहे थे। बताया जा रहा है कि किसी मामले में मदद करने के एवज में दारोगा द्वारा पीड़ित से रिश्वत की मांग की गई थी। इसकी शिकायत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो तक पहुंची थी। शिकायत की जांच के बाद टीम ने कार्रवाई की योजना बनाई। मंगलवार को टीम ने जाल बिछाकर दारोगा उपेंद्र शाह को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

दारोगा उपेंद्र शाह पहले भी विवादों में रह चुके हैंः निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की ओर से दारोगा की गिरफ्तारी की पुष्टि की गई है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में भी चर्चा शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि दारोगा उपेंद्र शाह पहले भी विवादों में रह चुके हैं। कुछ समय पहले लड़की की स्कूटी रोकने के दौरान उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो सामने आने के बाद यह मामला काफी चर्चित हुआ था। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने आज जहानाबाद, शेखपुरा और पटना में तीन अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई की है। पटना में हुई इस कार्रवाई के दौरान ट्रैफिक थाने के दारोगा की गिरफ्तारी हुई है। फिलहाल निगरानी की टीम मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के DSP श्रीराम चौधरी ने बताया कि कैमूर निवासी जमील अंसारी ने ट्रैफिक थाने में तैनात दारोगा उपेंद्र शाह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। जमील अंसारी पुरानी गाड़ियों की खरीद-बिक्री का काम करते हैं। बताया गया कि पटना जंक्शन के पास चंदन नाम के ड्राइवर से जमील अंसारी की गाड़ी की खरीद-बिक्री को लेकर बातचीत चल रही थी। गाड़ी के ट्रायल के दौरान वह किसी थर्ड पर्सन की गाड़ी से टच हो गई। इसके बाद तीनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया। आरोप है कि इसी दौरान दारोगा उपेंद्र शाह मौके पर पहुंचे और गाड़ी को जब्त कर थाने ले आए। गाड़ी छोड़ने के एवज में उन्होंने जमील अंसारी से 10 हजार रुपए रिश्वत की मांग की। जमील अंसारी ने इसकी शिकायत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो से की। शिकायत के सत्यापन के बाद निगरानी की टीम ने कार्रवाई की और जेपी गंगा पथ के पास उपेंद्र शाह को 10 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। निगरानी DSP ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

बाढ़ पर लालू यादव ने शेयर किया अपना पुराना वीडियो

कहा- बिहार को भीख नहीं, क्रेडिट में पैसा दें, नेपाल से बातचीत कर परमानेंट समाधान निकाले सरकार

एजेंसी, पटना

बिहार में बाढ़ की स्थिति के बीच आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने केंद्र और बिहार सरकार पर निशाना साधा है। लालू यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर वीडियो पोस्ट कर बिहार को मिलने वाली केंद्रीय सहायता, बाढ़ के स्थायी समाधान और राज्य के कम क्रेडिट-डिपॉजिट रेशियो (CDR) को लेकर सवाल उठाए।

लालू यादव ने कहा कि हम भीख नहीं मांग रहे हैं, क्रेडिट के अनुरूप पैसा बिहार को दो। एक दशक बाद आई भीषण बाढ़ के बीच बिहार सरकार का खजाना खाली और राजकोषीय तनाव चरम पर है। उन्होंने अपने राजनीतिक संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने पक्ष और विपक्ष, दोनों में रहते हुए बिहार और बिहारियों के हक के लिए लड़ाई लड़ी।

2004-09 के पैकेज का किया जिक्रः लालू यादव ने दावा किया कि 2004 में 24 आरजेडी सांसदों के साथ यूपीए-1 सरकार में रेल मंत्री बनने के बाद उन्होंने अपने राजनीतिक प्रभाव के जरिए बिहार के विकास कार्यों के लिए 2004 से 2009 के बीच 1.44 लाख करोड़ रुपये की राशि दिलाई। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी का भी जिक्र किया। लालू ने आरोप लगाया कि बाद में इसी पैकेज की राशि से नीतीश कुमार की सरकार ने अपना विकास मॉडल खड़ा किया।

आरजेडी प्रमुख ने कहा कि एनडीए के पास बिहार से 30 सांसद होने के बावजूद आज दिल्ली में बिहार की समस्याओं को गंभीरता से नहीं सुना जा रहा है। उन्होंने केंद्र और राज्य में एनडीए की सरकार होने के बावजूद बाढ़ के स्थायी समाधान नहीं होने पर सवाल उठाया।

लालू यादव ने नेपाल से आने वाली बाढ़ को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि नदियों के रखरखाव के लिए नेपाल सरकार से दो टूक बातचीत होनी चाहिए। उन्होंने कर्पूरी ठाकुर द्वारा भी इस मुद्दे को उठाए जाने का जिक्र किया।

बैरिकेडिंग पर चढ़े प्रदर्शनकारी बोले- एससी में आरक्षण लागू करो

एजेंसी, पटना

पटना में आज दलित संगठन "आरक्षण बढ़ाओ, संविधान बचाओ" आंदोलन मार्च निकाला। गांधी मैदान से निकले इस मार्च को पुलिस ने जेपी गोलंबर के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। प्रदर्शनकारियों बैरिकेडिंग पर चढ़कर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का गांधी मैदान से होते हुए लोकभवन तक जाने का प्लान था। इससे पहले गांधी मैदान में अंबेडकर और गांधी के पोस्टर लेकर लोग सड़कों पर उतरे। इन पर लिखा था- सुप्रीम कोर्ट में आरक्षण लागू करो। जो दलितों से टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा... के नारे भी लगे।

प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस भी अलर्ट रही। जेपी गोलंबर और डाकबंगला चौराहे पर बैरिकेडिंग की गई। डाकबंगला पर 23 थानेदार, 9 ASP-DSP समेत 400 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई।

समिति के संयोजक अमर आजाद ने कहा कि अभी भी देश में दलित आदिवासी समाज पर अत्याचार जाति के आधार पर हो रहा है। दलित IAS-IPS कुछ भी बन जाए उन्हें उनकी जाति के नाम से प्रताड़ित किया जाता है। इसके बावजूद कुछ लोग SC-ST के लोगों को मिलने वाले आरक्षण का विरोध कर रहे हैं ये बिल्कुल गलत बात है। अभी भी निजी क्षेत्र न्यायपालिका में आरक्षण नहीं हैं, सुप्रीम कोर्ट में आरक्षण नहीं है।

बिहार सरकार ने संविदा डॉक्टर्स का बढ़ाया मानदेय

एजेंसी, पटना

- स्वास्थ्य मंत्री बोले- संविदा चिकित्सकों का योगदान महत्वपूर्ण, 10-27 हजार तक बढ़ा

बिहार सरकार ने राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पतालों में संविदा पर काम कर रहे प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, सीनियर रेजिडेंट/ट्यूटर और जूनियर रेजिडेंट के मानदेय में बढ़ोतरी की है। स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को संशोधित मानदेय की नई दरों को लेकर आदेश जारी किया। स्वास्थ्य विभाग के आदेश के मुताबिक संशोधित मानदेय 1 सितंबर 2026 से प्रभावी होगा। विभाग ने इसके लिए संबंधित राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आदेश में बताया गया है कि मानदेय संशोधन के प्रस्ताव को प्राधिकृत समिति की अनुशंसा और सक्षम प्राधिकार की मंजूरी प्राप्त है। पद के हिसाह से सबकी सैलरी में 10 से 27 हजार तक बढ़ाया गया है।

चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था को मिलेगी मजबूतीः सरकार के इस फैसले से राज्य के मेडिकल कॉलेजों में संविदा पर काम कर रहे शिक्षकों और रेजिडेंट डॉक्टरों को सीधे लाभ मिलेगा। सरकार का मानना है कि मानदेय में बढ़ोतरी से चिकित्सा महाविद्यालयों में योग्य और विशेषज्ञ मानव संसाधन को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री बोले- विशेषज्ञ मानव संसाधन को मिलेगा प्रोत्साहनः स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने कहा कि बिहार सरकार स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए लगातार महत्वपूर्ण फैसले ले रही है। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में संविदा पर कार्यरत प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, सीनियर रेजिडेंट और जूनियर रेजिडेंट की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि इनके योगदान को देखते हुए सरकार ने मानदेय बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत कर्मियों को प्रोत्साहन मिलेगा और मेडिकल कॉलेजों में विशेषज्ञ एवं योग्य मानव संसाधन की उपलब्धता को और मजबूती मिलेगी।

पटना में गंगा का रौद्र रूप, 29 लाख लोग प्रभावित, 77 प्रखंडों की 438 पंचायतें पर असर

एजेंसी, पटना

बिहार में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है। गंगा समेत कई प्रमुख नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण राज्य के कई जिलों में जनजीवन प्रभावित है। राज्य के 13 जिलों के 77 प्रखंडों की 438 ग्राम पंचायतों में करीब 29.13 लाख की आबादी बाढ़ से प्रभावित है। पटना और आसपास के इलाकों में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर दर्ज किया गया है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि पटना के मनेर, दीघा घाट और गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर लगातार ऊंचा बना हुआ है। पिछले दो दिनों के आंकड़ों की तुलना में इन स्थानों पर पानी में और बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

दीघा घाट पर खतरे के निशान से 1.09 मीटर ऊपर गंगाः पटना के दीघा घाट पर गंगा का जलस्तर 51.54 मीटर दर्ज किया गया। यहां खतरे का निशान 50.45 मीटर है। यानी गंगा खतरे के निशान से 1.09 मीटर ऊपर बह रही है। 6 सितंबर की सुबह दीघा घाट पर जलस्तर 50.57 मीटर दर्ज किया गया था। इस तरह दो दिनों के दौरान यहां जलस्तर में करीब 0.97 मीटर की बढ़ोतरी हुई है।

गांधी घाट पर भी खतरे के निशान से 1.71 मीटर ऊपर पानीः पटना के गांधी घाट पर 8 सितंबर की सुबह गंगा का जलस्तर 50.31 मीटर दर्ज किया गया। यहां खतरे का निशान 48.60 मीटर है। इस तरह गंगा यहां खतरे के निशान से 1.71 मीटर ऊपर बह रही है। 6 सितंबर को गांधी घाट पर जलस्तर 49.63 मीटर दर्ज किया गया था। इसके मुकाबले दो दिनों में यहां 0.68 मीटर की बढ़ोतरी हुई है।

मनेर में गंगा 1.40 मीटर ऊपर, दो दिनों में 1.77 मीटर बढ़ा पानीः पटना जिले के मनेर में गंगा का जलस्तर 8 सितंबर की सुबह 53.40 मीटर दर्ज किया गया। यहां खतरे का निशान 52 मीटर है। यानी गंगा खतरे के निशान से 1.40 मीटर ऊपर बह रही है। 6 सितंबर को मनेर में जलस्तर 51.63 मीटर था। दो दिनों में यहां पानी करीब 1.77 मीटर बढ़ गया है, जिससे दियारा और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है।

राबड़ी देवी बोलीं- बाढ़ का पानी सम्राट चौधरी पिएंगे

एजेंसी, पटना

बिहार में 13 जिलों में 27 लाख लोग बाढ़ से घिरे हुए हैं। इसके बीच मौसम विभाग ने बिहार में 8 से 10 सितंबर तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। आज भी 6 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है।

दूसरे राज्यों में हो रही बारिश से बिहार की 9 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। 13 जिलों में लगभग 34 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित है। पटना में पुनपुन नदी का जलस्तर 24 घंटे में 9 सेमी बढ़ा है। श्रीपालपुर में पानी खतरे के निशान से 2.95 मीटर ऊपर है। दरधा और महतमाईन नदी भी उफान पर है। भोजपुर में बाढ़ के पानी में डूबने से 4 लोगों की मौत हुई है।

वहीं मोकामा में बाढ़ राहत कार्यों का जायजा लेकर लौट रहे प्रशासनिक अधिकारियों की नाव गंगा में 55 मिनट तक फंस गई। उनकी मोटर बोट में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिससे इंजन बंद हो गया। इसके बाद बोट अनियंत्रित होकर गंगा की तेज धार में बहने लगी।

बोट पर बाढ़ SDM, मोकामा बीडीओ रवि कुमार, सीओ लवली कुमारी, पचमहला के अपर थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव, सुरक्षा गार्ड और अंचल के दूसरे कर्मचारी सवार थे।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में पटना की बड़ी छलांग, देशभर में 16वें रैंक पर पहुंचा

एजेंसी, पटना

- वार्ड 9 और 43 राज्य में अव्वल, 40 लाख पुरस्कार मिले

पटना नगर निगम ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में बड़ी छलांग लगाई है। देश के 10 लाख से अधिक आबादी वाले 48 शहरों में पटना को 16वां स्थान मिला है। पिछले वर्ष शहर 164.5 अंकों के साथ 27वें पायदान पर था, जबकि इस बार 37 मानकों के मूल्यांकन में 178 अंक हासिल किए हैं। वहीं, इस साल पहली बार वार्ड स्तर पर भी स्वच्छ वायु सर्वेक्षण का मूल्यांकन किया गया। इसमें पटना के वार्ड-43 ने अपनी श्रेणी में राज्य स्तर पर पहला स्थान हासिल किया, जबकि वार्ड-9 ने राष्ट्रीय स्तर के टॉप- 9 वार्डों में जगह बनाने के साथ राज्य में भी पहला स्थान प्राप्त किया। दोनों वार्डों के लिए निगम को कुल 40 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिली है।

वार्ड-43 में 25 और वार्ड-9 में 15 लाख से होंगे पर्यावरणीय कामः 30 हजार से अधिक आबादी वाले वार्डों की श्रेणी में बांकीपुर अंचल के वार्ड-43 को राज्य में प्रथम स्थान मिला है। इसके लिए 25 लाख रुपये का पुरस्कार मिला है। इस राशि से राजेंद्र नगर, महमूदी चक, मैला टंकी रोड, आर्य कुमार रोड और पाटलिपुत्र पथ समेत आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण कम करने से जुड़े कार्य किए जाएंगे। 10 हजार से 30 हजार आबादी वाले वार्डों की श्रेणी में पाटलिपुत्र अंचल के वार्ड-9 ने राष्ट्रीय स्तर के शीर्ष नौ वार्डों में जगह बनाई और राज्य में पहला स्थान हासिल किया। इसके लिए 15 लाख रुपये मिले हैं। इस राशि का इस्तेमाल एयरपोर्ट, राजवंशी नगर, हार्डिंग रोड और कौशल नगर क्षेत्र में वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपायों पर किया जाएगा।

हरियाली से लेकर कचरा प्रबंधन तक का हुआ मूल्यांकनः दोनों वार्डों का मूल्यांकन कई पर्यावरणीय और स्वच्छता मानकों पर किया गया। इनमें पौधारोपण और हरियाली, सड़क किनारे वृक्षारोपण, नियमित कचरा उठाव, सड़कों की सफाई, स्वीपिंग मशीनों का इस्तेमाल, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट यानी C&D Waste का प्रबंधन और जन-जागरूकता जैसे बिंदु शामिल थे। इन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन को पटना की उपलब्धि का प्रमुख आधार माना गया है।

यह उपलब्धि हमारे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम है- सीता साहूः पटना नगर निगम की मेयर सीता साहू ने कहा, "स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में पटना का उत्कृष्ट प्रदर्शन पूरे नगर निगम के लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि स्वच्छ एवं हरित पटना की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है।' वहीं, नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने कहा, 'सड़क किनारे हरियाली बढ़ाने, पौधारोपण, कचरा प्रबंधन, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन, सड़कों की बेहतर सफाई तथा जन-जागरूकता जैसे क्षेत्रों में लगातार काम किया जा रहा है। यह उपलब्धि इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम को दर्शाती है।'

अलाव से PM2.5 में 18 से 30% तक बढ़ोतरीः स्वच्छ वायु की दिशा में आगे की चुनौतियों को समझने के लिए नगर निगम ने सर्दियों में खुले में जलाए जाने वाले अलाव को लेकर भी अध्ययन कराया है। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने 'बियोंड द बोनफायर्स रिथिंकिंग विंटर हीटिंग फॉर वलनरेबल पापुलेशंस ऑफ़ पटना' रिपोर्ट जारी की। एयर पॉल्यूशन एक्शन ग्रुप (A-PAG) के विशेषज्ञों ने निगम के सहयोग से यह अध्ययन किया। इसमें आवासहीन लोगों, स्ट्रीट वेंडर्स, रात की शिफ्ट में काम करने वाले कर्मियों, यात्रियों और बस्तियों में रहने वाले लोगों से बातचीत के साथ आश्रय स्थलों, स्लम क्षेत्रों और बस स्टैंडों का जायजा लिया गया। अध्ययन के अनुसार, खुले में अलाव जलाने से आसपास PM2.5 का स्तर करीब 18 से 30 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। इससे खासकर कमजोर और संवेदनशील आबादी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका रहती है।

955 बेड वाले आश्रय स्थलों से कम होगी अलाव पर निर्भरताः नगर निगम के अनुसार, सर्दियों में जरूरतमंद और आवासहीन लोगों के लिए छह स्थायी आश्रय स्थल, 12 जर्मन हैंगर और आठ स्थानों पर टेंट लगाए जाते हैं। इनमें कुल 955 बेड उपलब्ध रहते हैं। आश्रय स्थलों पर पेयजल, शौचालय, बिस्तर, कंबल और हीटर जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। नगर आयुक्त के मुताबिक, बेहतर आश्रय और हीटिंग की सुविधा उपलब्ध कराने से खुले में अलाव जलाने की जरूरत और उस पर निर्भरता कम की जा सकती है।

गिग वर्कर्स के लिए बढ़ेंगी विंटर-रेडी सुविधाएंः पटना में गिग वर्कर्स के लिए फिलहाल दो स्थानों पर एसी लाउंज की सुविधा उपलब्ध है। इन्हें सर्दियों के अनुकूल बनाने और जरूरत के अनुसार ऐसे केंद्रों की संख्या बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, सुरक्षित और सुविधायुक्त स्थान मिलने से सड़क किनारे ठंड से बचने के लिए अलाव जलाने की आवश्यकता कम हो सकती है। शिकायतों के त्वरित निष्पादन और बेहतर प्रबंधन के लिए अजीमाबाद और नूतन राजधानी अंचल को भी सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

जर्जर सरकारी भवनों की बदलेगी तस्वीर, हर पंचायत में चुनी गईं 10 योजनाएं

कायाकल्प अभियान के तहत विद्यालय, आंगनबाड़ी, सामुदायिक भवन व स्वास्थ्य उपकेंद्र होंगे दुरुस्त

बीएनएम@ तुरकौलिया। वर्षों से बदहाल सरकारी भवनों और उपेक्षित आधारभूत सुविधाओं की अब तस्वीर बदलने की तैयारी है। विशेष अभियान 'कायाकल्प' के तहत प्रखंड की प्रत्येक पंचायत में 10-10 प्राथमिकता वाली योजनाओं का चयन किया गया है। इनमें जर्जर विद्यालय भवनों से लेकर आंगनबाड़ी केंद्र, सामुदायिक भवन और स्वास्थ्य उपकेंद्र तक शामिल हैं। प्रखंड परिसर में बीडीओ संतोष राज की अध्यक्षता में हुई बैठक में पंचायतवार जरूरतों की समीक्षा के बाद योजनाओं को चिह्नित किया गया। प्रशासन का फोकस उन सरकारी परिसंपत्तियों को फिर से उपयोगी बनाने पर है, जो लंबे समय से जर्जर हालत में हैं और ग्रामीणों के लिए अपेक्षित सुविधा नहीं दे पा रही हैं। चयनित योजनाओं में जर्जर विद्यालय भवनों का जीर्णोद्धार एवं नवनिर्माण, आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत, सामुदायिक भवनों का निर्माण व उन्नयन तथा स्वास्थ्य उपकेंद्रों का निर्माण और जीर्णोद्धार प्रमुख हैं। जरूरत के मुताबिक पुरानी संरचनाओं को दुरुस्त करने के साथ नई आधारभूत सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। अधिकारियों के मुताबिक चयनित योजनाओं का क्रियान्वयन विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन की गारंटी योजना के तहत कराया जाएगा। योजनाओं की प्रगति और निगरानी के लिए बीडीओ संतोष राज को प्रखंड स्तर पर नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने भी पंचायतों की स्थानीय जरूरत के हिसाब से योजनाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षों से लंबित बुनियादी सुविधाओं के दुरुस्त होने की उम्मीद जगी है। बैठक में सीओ प्रभात कुमार, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सह कल्याण पदाधिकारी जितेंद्र कुमार, सीएचसी प्रभारी अर्जुन कुमार गुप्ता, पीओ मनरेगा चंद्रभूषण कुमार, मुखिया विनय कुमार, पंचायत समिति सदस्य ईद महम्मद देवान, शाहिदा बेगम, अनिल पासवान, असफी महतो, अशोक यादव, अमेरिका हाजरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

लोहा पांडेय बने लोजपा आर के प्रदेश मीडिया कॉर्डिनेटर

बीएनएम@ रामगढ़वा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के निर्देश पर पार्टी के वरीय नेता पंकज कुमार पांडेय उर्फ लोहा पांडेय को प्रदेश मीडिया कॉर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति की खबर से पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं में उत्साह है। क्षेत्र के लोजपा आर नेताओं ने नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि लोहा पांडेय पार्टी की नीतियों, विचारधारा और जनकल्याणकारी कार्यों को आम लोगों तक पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। नेताओं ने उम्मीद जताई कि नई जिम्मेदारी का निर्वहन वे निष्ठा, समर्पण और सक्रियता के साथ करेंगे तथा संगठन को मजबूत करने के साथ पार्टी की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने में योगदान देंगे। नियुक्ति पर बधाई देने वालों में जगजीवन पासवान, धीरज श्रीवास्तव, राजदेव पासवान, संतोष सर्राफ, अजीत पासवान, टिंकू मिश्र, अर्जुन गिरी, नागेश्वर निराला, बद्री पासवान, अमरेन्द्र तिवारी और रंजन पासवान सहित अन्य लोजपा आर नेता शामिल हैं।

1996 के समझौते में हुई बिहार की अनदेखी, अब मजबूती से रखेंगे हितः विजय चौधरी

फरक्का बराज और गाद के मुद्दे पर बिहार में सियासी पारा चढ़ा

बीएनएम@ पटना। फरक्का बराज और गंगा नदी में लगातार बढ़ रही गाद (सिल्ट) के मुद्दे पर बिहार में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। बिहार सरकार के मंत्री विजय चौधरी ने बयान दिया है कि फरक्का बराज के कारण राज्य को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिससे बाढ़ और जल प्रवाह की गंभीर समस्या पैदा हो रही है।विजय चौधरी ने बताया कि वर्ष 1996 के भारत-बांग्लादेश गंगा जल समझौते का नवीकरण इसी साल होना है। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय जब यह समझौता हुआ था, तब बिहार के हितों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया था। अब जब समझौते के नवीकरण का समय आ गया है, तो राज्य सरकार बिहार के हितों को पूरी मजबूती के साथ केंद्र के समक्ष रखेगी।गंगा बेसिन के लोगों को इस गंभीर विषय पर लगातार जागरूक किया जा रहा है। इस अहम मुद्दे पर राजनीति से ऊपर उठकर सभी दलों से एकजुट होने की अपील करते हुए मंत्री ने कहा कि यह किसी एक पार्टी का नहीं बल्कि पूरे बिहार के हित से जुड़ा मसला है।इसके अलावा, विधान परिषद की आठ सीटों पर होने वाले आगामी चुनावों को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि एनडीए के सभी घटक दल आपसी सहमति और बातचीत से सीटों का बँटवारा तय करेंगे। उन्होंने गठबंधन में किसी भी तरह के मतभेद या जेडीयू के भीतर नाराजगी की चर्चाओं को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि एनडीए पूरी तरह एकजुट है और सभी सीटों पर जीत दर्ज करने के उद्देश्य से चुनावी मैदान में उतरेगा।

महिला पुलिसकर्मी ने सब-इंस्पेक्टर पर लगाए गंभीर आरोप

मुंगेर महिला थाने में सनसनीखेज मामला

बीएनएम@ मुंगेर। मुंगेर महिला थाने में एक महिला पुलिसकर्मी ने पटना पुलिस कार्यालय की पेंशन शाखा में प्रभारी के पद पर तैनात सब-इंस्पेक्टर दिनेश कुमार के खिलाफ गंभीर आरोपों में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि वर्ष 2017 से शादी का झांसा देकर आरोपी ने करीब नौ साल तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी से मुकर गया। मामले में आरोपी के भाई भूपेश कुमार को भी नामजद किया गया है।शिकायत के अनुसार, वर्ष 2015 में नवादा में नियुक्ति के दौरान दोनों की पहचान हुई थी। पीड़िता का दावा है कि वर्ष 2019 में गर्भवती होने पर जब उसने विवाह का दबाव बनाया, तो आरोपी ने पहले से शादीशुदा होने की बात कहकर तलाक के बाद विवाह का भरोसा दिया और कथित तौर पर जबरन गर्भपात की दवा खिलाई, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसके अलावा, निजी फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का भी आरोप लगाया गया है।पीड़िता का यह भी आरोप है कि चार-पाँच मार्च को पटना में मुलाकात के दौरान आरोपी ने उसका मोबाइल लेकर सारा डेटा डिलीट कर दिया और विरोध करने पर मारपीट की। इसके बाद 29 अगस्त को एसएसपी कार्यालय के पास भी उसके और उसके भाई द्वारा बदसलूकी व मारपीट किए जाने की बात कही गई है, जिसमें उसे गंभीर चोटें आईं। मुंगेर महिला थाना अध्यक्ष कीर्ति कुमारी ने बताया कि पीड़िता के आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस तमाम आरोपों की गहराई से जाँच कर रही है।

डीएलआरएसी व डीएलसीसी की बैठक में बैंकवार योजनाओं की हुई समीक्षा

पीएम सूर्य घर योजना पर विशेष जोर देने का दिया गया निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में मंगलवार को जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलआरएसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलसीसी) की प्रथम तिमाही (जून 2026) की बैठक सांसद बेतिया डॉ. संजय जायसवाल की उपस्थिति में की गई। उक्त बैठक में विभिन्न केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं की प्रगति, बैंकवार उपलब्धियों तथा लंबित एवं अस्वीकृत आवेदनों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक की शुरुआत में अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) के.एम. सिंह द्वारा उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया। उक्त बैठक में उप महापौर डॉ. लालबाबू प्रसाद, डीडीएम नाबार्ड आनंद अतिरेक, सेंट्रल बैंक आरसेटी के निदेशक बिपिन कुमार, एलडीओ, आरबीआई के प्रतिनिधि मोहित कुमार, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, जीविका के प्रतिनिधि राजू कुमार सहित विभिन्न बैंकों के मुख्य प्रबंधक, जिला समन्वयक एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएमईजीपी, जिला साख योजना, पीएमएफएमई, पीएम स्वनिधि, महिला स्वयं सहायता समूहों के क्रेडिट लिंकेज, वित्तीय समावेशन एवं वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम, पीएम सूर्य घर योजना, आरसेटी की कार्य प्रगति, बचत खाते, मुद्रा ऋण, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), क्लेम सेटलमेंट तथा अटल पेंशन योजना समेत विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। इस बैठक में पीएम सूर्य घर योजना की विशेष रूप से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने पिछले माह प्राप्त आवेदनों, स्वीकृत एवं अस्वीकृत आवेदनों तथा आवेदन खारिज किए जाने के कारणों की भी जानकारी ली। जिलाधिकारी श्री यादव ने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना को जिले में प्राथमिकता के साथ लागू करने की आवश्यकता है। नगर निकायों समेत जिले के सभी क्षेत्रों में अधिक से अधिक पात्र लोगों को योजना का लाभ दिलाया जाए। योजना का लाभ प्राप्त कर चुके लोगों के माध्यम से आसपास के अन्य परिवारों को भी जागरूक कर योजना से जोड़ने का प्रयास किया जाए। वहीं विभिन्न बैंकों की योजनावार प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने जानकारी ली कि किस बैंक में कार्य की गति बेहतर है और किन बैंकों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही है। उन्होंने लंबित एवं अस्वीकृत आवेदनों की बैंकवार स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया। किसी आवेदन को अस्वीकृत किए जाने की स्थिति में उसका स्पष्ट एवं तर्कसंगत कारण दर्ज करना अनिवार्य बताया गया। अगली बैठक में बैंकवार अद्यतन रिपोर्ट के साथ पूरी तैयारी से उपस्थित रहने का भी निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी योजनाओं का विधानसभा वार प्रतिवेदन तैयार कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि क्षेत्रवार योजनाओं की वास्तविक प्रगति का स्पष्ट आकलन किया जा सके। बैठक में जिले में मत्स्य पालन एवं मत्स्य व्यवसाय की स्थिति पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने जिला मत्स्य पदाधिकारी को निर्देश दिया कि पूर्वी चंपारण में मत्स्य पालन एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। मछली पालन एवं इससे जुड़े व्यवसाय करने वाले लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए विशेष पहल की जाए। बेतिया सांसद संजय जायसवाल ने कहा कि बैंक अधिकारियों और जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत जिले के छौड़ादानो, घोड़ासहन, हरसिद्धि एवं अरेराज प्रखंड में विशेष कैंप आगामी 12 सितंबर से 16 सितम्बर के मध्य आयोजित करने पर भी चर्चा हुई। एलडीएम के.एम. सिंह ने बताया कि कैंप की तिथि शीघ्र निर्धारित की जाएगी। इन कैंपों के माध्यम से आम लोगों को विभिन्न बैंकिंग एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र लाभुकों को योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

बाढ़ के पानी में मिली अज्ञात मछलियों से रहें सावधान, सेवन से बचने की अपील

नेपाल से बाढ़ के पानी के साथ बिहार पहुंचने की सूचना; बीमारी के खतरे को देखते हुए मत्स्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

बीएनएम@ मोतिहारी

नेपाल की ओर से बाढ़ के पानी के साथ बिहार के कुछ क्षेत्रों में अज्ञात एवं असामान्य प्रजाति की मछलियों के पहुंचने की सूचना के बाद मत्स्य विभाग ने आमजन को सतर्क किया है। मत्स्य निदेशालय, बिहार, पटना की ओर से जनहित में जारी आवश्यक सूचना एवं एडवाइजरी में ऐसी मछलियों के सेवन से पूरी तरह परहेज करने की अपील की गई है। बताया गया है कि अज्ञात मछलियों के सेवन के बाद कुछ लोगों के बीमार पड़ने की सूचना भी सामने आई है। विभाग के अनुसार, बाढ़ के दौरान तालाबों, नदियों, झीलों एवं अन्य जलाशयों से मछलियां बहकर दूर-दराज के इलाकों तक पहुंच जाती हैं। इस दौरान कई मछलियां गंदी नालियों, मृत पशुओं तथा अन्य दूषित पदार्थों के संपर्क में आ जाती हैं। लंबे समय तक ऐसे प्रदूषित वातावरण में रहने के कारण उनमें जीवाणु, विषाणु और फंगस सहित विभिन्न रोगजनक कारकों के संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में इन मछलियों का सेवन स्वास्थ्य के लिए गंभीर रूप से प्रतिकूल हो सकता है। मत्स्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि जब तक बाढ़ की स्थिति सामान्य नहीं हो जाती और प्राकृतिक रूप से गंदगी एवं रोग फैलाने वाले कारकों का प्रभाव समाप्त नहीं हो जाता, तब तक बाढ़ के पानी से पकड़ी गई मछलियों का सेवन नहीं किया जाए। आम नागरिकों से विशेष रूप से ऐसी मछलियों से सावधान रहने को कहा गया है, जिनकी पहचान स्पष्ट नहीं है या जो सामान्य मछलियों से अलग और असामान्य दिखाई देती हैं। विभाग ने लोगों से अपील की है कि बिना पहचान एवं संबंधित विभाग की पुष्टि के किसी भी अपरिचित मछली को खाने योग्य न मानें। साथ ही, बाढ़ के पानी से पकड़ी गई संदिग्ध अथवा अज्ञात मछलियों की खरीद-बिक्री और उनके खाद्य उपयोग से भी पूरी तरह बचने की सलाह दी गई है। एडवाइजरी में कहा गया है कि यदि किसी व्यक्ति ने ऐसी मछली का सेवन कर लिया है और उसके बाद उल्टी, दस्त, पेट दर्द, चक्कर, सांस लेने में कठिनाई अथवा अन्य असामान्य लक्षण दिखाई देते हैं तो बिना देर किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकीय परामर्श लें। वहीं, किसी क्षेत्र में ऐसी अज्ञात अथवा असामान्य मछलियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने पर जिला मत्स्य पदाधिकारी अथवा स्थानीय प्रशासन को तत्काल सूचना देने की अपील की गई है, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। मत्स्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि इस संबंध में किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और केवल अधिकृत सूचना पर भरोसा करें। जनस्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अज्ञात एवं असामान्य मछलियों के सेवन से पूरी तरह परहेज करें।

36 घंटे में सुलझी तीन किशोरियों के लापता होने की गुत्थी, गोरखपुर से सकुशल बरामद; युवक गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी/हरसिद्धि

मठलोहियार पंचायत के छतवनिया टोला से एक साथ लापता हुईं तीन लड़कियों को हरसिद्धि पुलिस ने महज 36 घंटे के भीतर गोरखपुर रेलवे स्टेशन के पास से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने मामले में शिवहर जिले के एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक मोबाइल भी बरामद किया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, छह सितंबर को तीनों लड़कियां बिना परिजनों को सूचना दिए घर से लापता हो गई थीं। उनके पिता के आवेदन पर हरसिद्धि थाने में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अरेराज एसडीपीओ कुमारी प्रियंका के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों ने पुलिस को गोरखपुर तक पहुंचाया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मिले सुरागों के आधार पर गोरखपुर रेलवे स्टेशन के आसपास छानबीन की, जहां तीनों लड़कियों को सकुशल बरामद कर लिया गया।

काम दिलाने के नाम पर मुजफ्फरपुर से गोरखपुर ले जाने का आरोप- पुलिस के अनुसार, पूछताछ में सामने आया कि तीनों लड़कियां बेहतर काम की तलाश में बिना परिजनों को बताए घर से निकली थीं। इसी दौरान चंदन कुमार ने काम दिलाने के नाम पर उन्हें मुजफ्फरपुर से गोरखपुर ले गया। पुलिस ने इसके बाद चंदन कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपित की पहचान शिवहर जिले के तरियानी थाना क्षेत्र के सलेमपुर निवासी सुंदर महतो के पुत्र चंदन कुमार के रूप में हुई है। उसका वर्तमान पता जतेपुर, सहजनवा, थाना गोरखनाथ, जिला गोरखपुर बताया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

सुगौली से गोरखपुर तक पहुंची पुलिस- जांच में सामने आया कि लड़कियां पहले सुगौली पहुंचीं और वहां से मुजफ्फरपुर गई थीं। इसके बाद चंदन के संपर्क में आने पर उन्हें गोरखपुर ले जाया गया। सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों के जरिए पुलिस ने उनकी गतिविधियों का पता लगाया और गोरखपुर में दबिश देकर तीनों को बरामद कर लिया।

बरामदगीः तीन लापता लड़कियां और एक मोबाइल।

छापामारी दल में अरेराज प्रभारी एसडीपीओ कुमारी प्रियंका, पर्यवेक्षी पदाधिकारी पुलिस निरीक्षक अजय कुमार, हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार, अपर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक प्रीतम कुमार तथा हरसिद्धि थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

आपदा मित्रों की बैठक में अनुभवों और प्रगति की हुई समीक्षा

आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया, पूर्व चेतावनी और सामुदायिक तैयारी को और मजबूत करने पर जोर

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार, पूर्वी चंपारण कार्यालय में मंगलवार को बाल रक्षा भारत एवं जिला आपदा प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आपदा मित्रों की समीक्षा एवं अनुभव-साझाकरण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य आपदा मित्रों की प्रगति, सक्रियता तथा आपदा के दौरान उनके अनुभवों की जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ भविष्य में सामुदायिक आपदा तैयारी और मानवीय सहायता व्यवस्था को और मजबूत करना रहा। बैठक में बाल रक्षा भारत की ओर से हामिद रजा एवं सत्य प्रकाश तथा जिला आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से इंजीनियर गोविंद एवं नवीन सिंह ने आपदा मित्रों से उनके कार्यों एवं अनुभवों की जानकारी ली। इस दौरान आपदा मित्रों ने समुदाय के बीच किए गए जागरूकता कार्य, पूर्व चेतावनी के प्रसार, मॉक ड्रिल, संवेदनशील लोगों की सुरक्षित निकासी, आपदा के दौरान सहायता तथा सामुदायिक आपदा प्रबंधन योजनाओं में अपनी भूमिका के बारे में जानकारी साझा की। बैठक में विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि आपदा मित्र केवल आपदा आने के बाद राहत एवं बचाव कार्य तक सीमित न रहें, बल्कि आपदा से पहले तैयारी, जोखिम न्यूनीकरण, पूर्व चेतावनी के प्रभावी प्रसार और समुदाय को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया में भी सक्रिय भूमिका निभाएं। प्रत्येक आपदा मित्र से उनके अनुभवों के आधार पर यह जानकारी ली गई कि उन्होंने कितने परिवारों तक पहुंच बनाई, कितनी मॉक ड्रिल में भाग लिया, कितनी बार पूर्व चेतावनी लोगों तक पहुंचाई तथा आपदा के समय कितने लोगों की सहायता एवं सुरक्षित निकासी में योगदान दिया। कार्यक्रम के दौरान आपदा मित्रों से उनके कार्यों की चुनौतियों और उपलब्धियों पर भी चर्चा की गई। उनके अनुभवों को व्यवस्थित रूप से दर्ज करने तथा अनुभवों से प्राप्त सीख को भविष्य की कार्ययोजना में शामिल करने पर बल दिया गया। बैठक में बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों जैसे संवेदनशील समूहों की सुरक्षा को आपदा तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया गया। यह बैठक "उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में आपदा तैयारी एवं मानवीय प्रतिक्रिया को सुदृढ़ करना तथा बच्चों, परिवारों एवं समुदायों की जीवनरक्षक क्षमता का निर्माण और संबंधित सरकारी तंत्र को मजबूत करना" कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य परिवार एवं समुदाय को आपदाओं के प्रति अधिक तैयार, सक्षम और लचीला बनाना तथा आपात स्थिति में समन्वित एवं त्वरित सहायता सुनिश्चित करना है। बैठक में रजनीश कुमार, राजा कुमार, रोहित कुमार, राकेश कुमार, राकेश पासवान, बबलू कुमार झा, सुमन कुमार, टुना कुमार, राजन कुमार, सुशील कुमार सिंह, नरेंद्र कुमार, रुपेश कुमार मिश्रा, मणि भूषण कुमार, चंद्रभूषण राम, पंकज कुमार, लाल साहब, इषदेव कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। बैठक के अंत में आपदा मित्रों को समुदाय के बीच निरंतर सक्रिय रहने, आपदा जोखिम के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा "पहले से तैयारी, समय पर चेतावनी और त्वरित सहायता" के संदेश को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।

जाम से निजात को डीएम-एसपी ने संभाला मोर्चा

बीएनएम@ मोतिहारी

» ठेले और बेतरतीब वाहनों पर होगी कार्रवाई, मीना बाजार से छतौनी तक किया फ्लैग मार्च

शहर में जाम की समस्या से निजात दिलाने को लेकर डीएम सौरभ सुमन यादव और एसपी स्वर्ण प्रभात ने मंगलवार को मोर्चा संभाला। दोनों अधिकारियों ने शाम में यातायात थाना पहुंचकर अधिकारियों के साथ बैठक की और शहर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कई निर्देश दिए। बैठक में सदर एसडीपीओ, यातायात प्रभारी समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे। डीएम और एसपी ने कहा कि मुख्य बाजार और प्रमुख सड़कों पर जगह-जगह ठेला लगने से यातायात प्रभावित हो रहा है। शहर के सभी मुख्य पथों और चौक-चौराहों के आसपास ठेला लगाने पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया। छतौनी चौक के आसपास लगने वाले ठेलों को नरेगा पार्क में शिफ्ट करने को कहा गया। इसके लिए माइकिंग कर ठेला संचालकों को सूचना देने का निर्देश दिया गया। सड़कों के किनारे तीन और चार पहिया वाहनों की बेतरतीब पार्किंग पर भी सख्ती बरतने को कहा गया। सड़क पर खड़े वाहनों के चालकों से पूछताछ कर उन्हें तत्काल हटाने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने यातायात व्यवस्था में तैनात पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को लगातार चौकस रहने का निर्देश दिया। शहर में ट्रैफिक पेट्रोलिंग बढ़ाने और किसी भी स्थान पर जाम नहीं लगने देने को कहा गया। बैठक के बाद डीएम और एसपी ने मीना बाजार से छतौनी चौक तक फ्लैग मार्च किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने सड़क पर यातायात की स्थिति का जायजा लिया और मौके पर मौजूद पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र के साथ मिली छात्रवृत्ति

शैक्षणिक व खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित

बीएनएम@ गिरियक। पावापुरी के तीर्थंकर महावीर विद्या मंदिर (वीरायतन) में मंगलवार को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के उत्कृष्ट विद्यार्थियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। विभिन्न कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र, मेरिट प्रमाण-पत्र और छात्रवृत्ति दी गई।समारोह में वक्ताओं ने संस्कारयुक्त शिक्षा और बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। एथलेटिक्स, 100 मीटर दौड़, खो-खो और कबड्डी में स्वर्ण व रजत पदक जीतने वाले युवा खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि महाप्रबंधक अंजनी कुमार ने अभिभावकों से बच्चों के समग्र विकास में सहयोग की अपील की। प्राचार्य डॉ. कौशल किशोर कौशिक ने कहा कि संस्थान बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। इस दौरान शैक्षणिक प्रभारी गीता जैन, दीपिका भारद्वाज, सुधीर कुमार, नीतू जैन, गौतम कुमार और गौरव कुमार सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

सारण : स्कूल में छात्राओं से छेड़खानी पर हंगामा, आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

» प्रार्थना सत्र के दौरान ग्रामीणों का हंगामा
» बीईओ की जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सत्य

बीएनएम@ सारण। सारण जिले के मांझी प्रखंड अंतर्गत महम्मदपुर पूरब पट्टी स्थित उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय से एक शर्मनाक मामला प्रकाश में आया है। विद्यालय में कार्यरत एक शिक्षक पर नाबालिग छात्राओं के साथ छेड़खानी करने का गंभीर आरोप लगा है। घटना की जानकारी मिलते ही मंगलवार को विद्यालय परिसर में आक्रोशित ग्रामीणों और अभिभावकों ने जमकर हंगामा किया और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मामले का खुलासा तब हुआ जब एक पीड़ित छात्रा ने अपने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद मंगलवार सुबह प्रार्थना सत्र के दौरान परिजनों के साथ सैकड़ों ग्रामीण विद्यालय पहुंच गए। ग्रामीणों ने प्रधानाध्यापक हरेराम उपाध्याय से मामले की शिकायत की। मामला गंभीर होते देख प्रधानाध्यापक ने तत्काल प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) विभा रानी को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही बीईओ विभा रानी विद्यालय पहुंचीं और बंद कमरे में पीड़ित छात्राओं से पूछताछ कर मामले की जांच की। बीईओ ने बताया कि छात्राओं के बयान के आधार पर मामला प्रथम दृष्टया सत्य प्रतीत हो रहा है। जांच रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को भेजी जा रही है और दोषी शिक्षक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। आरोपी शिक्षक की पहचान गांव के ही निवासी मनोज कुमार के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मांझी थानाध्यक्ष बिनोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक को हिरासत में ले लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजनों के लिखित आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

राम संकीर्तन आत्मा की पुकार: पूर्व प्राचार्य

बीएनएम@ बगहा: बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज मधुबनी के पूर्व प्राचार्य पंडित भरत उपाध्याय मंगलवार को शुभाश्रम धाम पहुँचे। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मानस वक्ता अखिलेश शांडिल्य की अध्यक्षता में हनुमान गढ़ी में आयोजित होने वाले नवाह् अनुष्ठान एवं प्रवचन कार्यक्रम की सफलता के लिए गणमान्य लोगों की एक आवश्यक बैठक में हिस्सा लिया। श्री शांडिल्य ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की कथा मानवीय संघर्ष की छटाओं को समेटते हुए मर्यादाओं की स्थापना का प्रतिमान है और यह सांस्कृतिक एकता का उत्सव है, जो पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती है। विश्व कल्याण के लिए इस नवाह् अनुष्ठान की शुरुआत लगभग तीन दशक पूर्व द्विजेंद्र मणि त्रिपाठी उर्फ चुटकी बाबा ने की थी। पूर्व प्राचार्य पं. भरत उपाध्याय ने इस साप्ताहिक आध्यात्मिक आयोजन में सभी राम भक्तों से आगे आने की अपील की। उन्होंने रामचरितमानस के प्रसंग का हवाला देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम वहीं निवास करते हैं जहाँ उनके भक्त संकीर्तन करते हैं। संकीर्तन केवल सुर-ताल का मेल नहीं, बल्कि आत्मा की वह पुकार है जिसे सुनकर प्रभु अपने भक्तों के सारे कष्ट हरने के लिए दौड़े चले आते हैं।

अभिनय उर्फ अमित बने परवलपुर भाजपा के मंडल अध्यक्ष

बीएनएम@ परवलपुर- भाजपा के मंडल संयोजक के रूप में दायित्व निभा रहे अभिनय उर्फ अमित कुमार को पार्टी ने परवलपुर मंडल अध्यक्ष का दायित्व सौंपा है। नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, संगठन महामंत्री भीखुभाई दलसानिया, संभाग प्रभारी डॉ. प्रीति शेखर, क्षेत्रीय प्रभारी बलराम मंडल एवं नालंदा जिला अध्यक्ष राजेश कुमार का आभार व्यक्त किया. प्रखंड के सिनांवा ग्राम निवासी बीजेपी के जुझारू कार्यकर्ता सह नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष अमित कुमार ने कहा कि पार्टी ने जिस विश्वास और भरोसे के साथ नई जिम्मेदारी दी है, उस पर खरा उतरने के लिए वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे. नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष को परवलपुर मंडल के कार्यकर्ताओं ने बधाई दी |

बाढ़ को लेकर शेखपुरा पुलिस अलर्ट, लोगों से सतर्क रहने की अपील

बीएनएम@ शेखपुरा। जिले में बाढ़ और जलभराव की स्थिति को देखते हुए शेखपुरा पुलिस ने आम लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। पुलिस ने लोगों को जलभराव वाले क्षेत्रों, नदियों, नहरों और तालाबों से दूर रहने तथा बाढ़ के पानी में जाने या तैरने का प्रयास नहीं करने की सलाह दी है। पुलिस ने खुले बिजली के तारों और विद्युत उपकरणों से विशेष रूप से सावधान रहने को कहा है। साथ ही आवश्यक सामान, महत्वपूर्ण दस्तावेज और जरूरी दवाइयों को सुरक्षित स्थान पर रखने की अपील की गई है।किसी भी आपात स्थिति में डायल 112 पर संपर्क किया जा सकता है।

बिहार में बाढ़ का कहर: भागलपुर से लेकर पटना तक नदियां खतरे के निशान से ऊपर, प्रशासन ने बढ़ाई चौकसी

13 जिलों के 34.31 लाख लोग प्रभावित,सुल्तानगंज में गंगा ने तोड़ा रिकॉर्ड

» राज्यभर में चल रहे 432 सामुदायिक रसोई केंद्र

बीएनएम@ पटना

बिहार में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है, जिससे राज्य के 13 जिलों के करीब 34.31 लाख लोग प्रभावित हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, 79 प्रखंडों की 480 ग्राम पंचायतें बाढ़ की चपेट में आ चुकी हैं और कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।सबसे चिंताजनक स्थिति गंगा नदी की है, जिसका जलस्तर भागलपुर के सुल्तानगंज में अपने पिछले सर्वोच्च स्तर यानी एचएफएल को पार कर गया है। इस भयावह स्थिति से निपटने और राहत कार्यों के लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव दलों को पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात किया गया है, ताकि जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाई जा सके।

एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की 37 टीमें मैदान में मुस्तैद

सुल्तानगंज में टूटा गंगा का पुराना रिकॉर्ड- 8 सितंबर की सुबह सुल्तानगंज में गंगा का जलस्तर 36.80 मीटर दर्ज किया गया, जबकि यहां पिछला सर्वोच्च जलस्तर 36.75 मीटर था। हालांकि फिलहाल नदी का जलस्तर स्थिर बताया जा रहा है। पटना के दीघा और गांधी घाट, हाथीदह तथा मुंगेर में भी गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इससे नदी किनारे बसे इलाकों में प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है।बाढ़ का असर पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया और अरवल में है। कई गांवों में पानी पहुंचने से जनजीवन और आवागमन प्रभावित हुआ है।गंडक और कोसी के अलावा बूढ़ी गंडक, पुनपुन, बागमती और घाघरा के जलस्तर पर भी प्रशासन की नजर है। 8 सितंबर की सुबह 10 बजे गंडक बराज से 1,04,400 क्यूसेक, कोसी बराज से 1,69,985 क्यूसेक और इंद्रपुरी बराज से 1,04,758 क्यूसेक पानी छोड़े जाने का आंकड़ा दर्ज किया गया।

राहत और बचाव अभियान तेज

बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राज्य में 432 सामुदायिक रसोई संचालित हैं, जहां अब तक 9.41 लाख से अधिक लोगों को भोजन कराया जा चुका है। 14 राहत शिविरों में 12,294 लोगों के रहने, भोजन और इलाज की व्यवस्था की गई है। प्रभावित परिवारों को 1.29 लाख पॉलीथीन शीट और 22,900 ड्राई राशन पैकेट वितरित किए गए हैं। पशुओं के लिए 3,142 क्विंटल चारा भी उपलब्ध कराया गया है।बचाव और आवागमन के लिए 1,832 नावें तैनात हैं। वहीं SDRF की 27 और NDRF की 10 टीमें प्रभावित जिलों में मुस्तैद हैं। अगले दो दिन भी अहम माने जा रहे हैं, क्योंकि कई इलाकों में बारिश की संभावना के बीच नदियों के जलस्तर में फिर बदलाव हो सकता है।

सीएम के कार्यक्रम में गायब मिलने पर महिला सिपाही निलंबित

» डीएम को भेजा गया प्रतिवेदन

बीएनएम@ पटना

पटना में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। चैंबर ऑफ कॉमर्स में निर्धारित कार्यक्रम के तहत बाटा मोड़ के पास वीआईपी सुरक्षा ड्यूटी में तैनात महिला सिपाही निशा कुमारी और गृह रक्षक रुचि कुमारी अपने निर्धारित स्थान से गायब मिलीं। बिना किसी वरिष्ठ अधिकारी को सूचना दिए ड्यूटी स्थल से गायब रहने पर गंभीर रुख अपनाते हुए महिला सिपाही निशा कुमारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, जबकि गृह रक्षक रुचि कुमारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए पटना जिलाधिकारी को प्रतिवेदन भेजा गया है।इसके अलावा, राजधानी में वीआईपी सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के दौरान अन्य मामलों में भी गाज गिरी है। बाकरगंज ट्रैफिक पोस्ट के औचक निरीक्षण के दौरान एएसआई रविंद्र कुमार मंडल, महिला सिपाही गीता कुमारी और गृह रक्षक सूरज कुमार को ड्यूटी के समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते पकड़ा गया। इन तीनों का वेतन रोकते हुए सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण तलब किया गया है। साथ ही, कारगिल चौक ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात कर्मियों के खिलाफ भी ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं।लगातार सामने आ रही इन कड़ी कार्रवाइयों से यह स्पष्ट हो जाता है कि पटना पुलिस और प्रशासन वीआईपी सुरक्षा और आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में किसी भी प्रकार की कोताही या अनुशासनहीनता को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं कर रहे हैं और लापरवाह कर्मियों पर सख्त शिकंजा कस रहे हैं।

विद्यार्थियों ने सीखे आपदा प्रबंधन व बचाव के गुर

बीएनएम@ बरहट (जमुई)

एनडीआरएफ ने जमुई के स्कूलों में किया मॉक ड्रिल

जिला पदाधिकारी नवीन के निर्देशानुसार, बिहार विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत 9वीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम ने बरहट प्रखंड के प्लस टू कृत्यानंद उच्च माध्यमिक विद्यालय, मलयपुर और प्लस टू प्रोजेक्ट कामिनी बालिका उच्च विद्यालय, बरहट में आपदा प्रबंधन व सुरक्षा जागरूकता को लेकर एक सघन मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस अभ्यास के जरिए छात्र-छात्राओं और शिक्षण कर्मियों को किसी भी अप्रत्याशित संकट के समय त्वरित व सुरक्षित बचाव के व्यावहारिक गुर सिखाए गए।इस आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य विद्यालय स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण को बढ़ावा देना और आपात स्थिति में जान-माल की क्षति को न्यूनतम करना है। जिला प्रशासन शैक्षणिक संस्थानों में ऐसे नियमित अभ्यासों के माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों को मानसिक व व्यावहारिक रूप से सजग बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। प्रशिक्षण के दौरान एनडीआरएफ के विशेषज्ञों ने भूकंप, अग्निकांड, वज्रपात, डूबने की घटनाओं तथा भीषण लू व हीटवेव जैसी प्राकृतिक और मानव-जनित आपदाओं के समय अपनाए जाने वाले सुरक्षा मानकों का विस्तृत ब्योरा पेश किया।जवानों ने आपातकालीन परिस्थितियों में भवन से सुरक्षित बाहर निकलने, प्राथमिक उपचार देने और स्ट्रेचर व स्थानीय संसाधनों की मदद से घायलों को रेस्क्यू करने का जीवंत प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों व शिक्षकों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि आपदा के समय घबराने के बजाय धैर्य और सूझ-बूझ से काम लेना सबसे बड़ा जीवन रक्षक उपाय है। सही जानकारी और त्वरित निर्णय से न सिर्फ अपनी सुरक्षा सुनिश्चित होती है, बल्कि दूसरों के बहुमूल्य जीवन को भी बचाया जा सकता है।

बाढ़ और गंडक के कटाव से परेशान लोगों ने किया जल सत्याग्रह और पैदल मार्च

» पश्चिम चंपारण के योगापट्टी में ग्रामीणों का अनोखा विरोध प्रदर्शन

बीएनएम@ योगापट्टी/नवलपुर

पश्चिम चंपारण के योगापट्टी प्रखंड की सिसवा मंगलपुर पंचायत में बाढ़ और गंडक नदी के कटाव से त्रस्त ग्रामीणों का आक्रोश मंगलवार को सड़क पर फूट पड़ा। गंडक के कहर से परेशान ग्रामीणों ने अनोखा विरोध प्रदर्शन करते हुए जल सत्याग्रह किया और नाव के सहारे गाँव से बाहर निकलकर करीब 10 किलोमीटर का लंबा पैदल मार्च किया। इस दौरान बढ़हरवा मुख्य सड़क, टकटका, मुशहरीटोली और फतेहपुर चौक से गुजरते हुए ग्रामीण योगापट्टी अंचल कार्यालय पहुँचे और वहाँ एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ रोष व्यक्त किया।ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत का एक बड़ा हिस्सा लंबे समय से बाढ़ और कटाव की चपेट में है। मुख्य मार्ग पर चार से पाँच फीट तक पानी भरा होने के कारण पिछले दो महीनों से आवागमन पूरी तरह ठप है, जिससे बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और मरीजों को रोजाना भारी दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार कटाव से धान समेत कई फसलें बर्बाद हो चुकी हैं और कई परिवारों के समक्ष अपने आशियाने व जमीन बचाने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।अंचल कार्यालय पहुँचे ग्रामीणों ने प्रशासन के समक्ष कई प्रमुख माँगें रखीं। उन्होंने सिसवा मंगलपुर पंचायत को तत्काल 'बाढ़ग्रस्त' घोषित करने, प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा व सरकारी सहायता देने, भूमिहीन परिवारों को जमीन उपलब्ध कराने तथा सिसवा से बढ़हरवा तक की मुख्य सड़क का शीघ्र निर्माण व सुदृढ़ीकरण करने की माँग की। इसके साथ ही, गंडक नदी के कटाव को रोकने के लिए स्थायी कटावरोधी कार्य तुरंत शुरू करने की पुरजोर अपील की गई। इस जल सत्याग्रह और प्रदर्शन में कल्याण सिंह बिन्द, कृष्ण कुमार बिन्द, नगिना यादव, शंभू मुखिया, चंदन माजी और संजय चौधरी समेत बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण शामिल रहे।

छात्र-छात्राओं को दी गई बालिका सुरक्षा और सरकारी योजनाओं की जानकारी

जमुई के प्लस-टू उच्च विद्यालय में 'सखी वार्ता' का आयोजन

बीएनएम@ जमुई

स्थानीय प्लस-टू उच्च विद्यालय जमुई बाजार में मंगलवार को महिला एवं बाल विकास निगम बिहार के तहत जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ विमेन द्वारा 'सखी वार्ता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को बालिका सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विधिक अधिकारों, आत्मनिर्भरता और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला मिशन समन्वयक मुकेश कुमार ने मिशन शक्ति के लक्ष्यों पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को अपनी पढ़ाई जारी रखने और किसी भी प्रकार के शोषण के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। वहीं, वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ विकाश कुमार ने बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव और मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, सुकन्या समृद्धि व बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक पूनम कुमारी और मनो-सामाजिक परामर्शी शालू सिन्हा ने आपातकालीन सहायता सेवाओं पर चर्चा करते हुए संकट के समय मिलने वाली चिकित्सीय व विधिक मदद के बारे में बताया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और आपातकालीन सेवा 112 की उपयोगिता समझाई गई। कार्यक्रम के अंत में सभी को बाल विवाह रोकने और लैंगिक समानता का संकल्प दिलाया गया।

हड़कंप : बक्सर में सीबीआई ने डाक अधीक्षक समेत 3 को हिरासत में लिया

वित्तीय गड़बड़ी की शिकायत पर दिल्ली से बक्सर पहुंची सीबीआई टीम

वित्तीय लेनदेन से जुड़े खंगाले जा रहे रिकॉर्ड

बीएनएम@ बक्सर

बक्सर में मंगलवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो की अचानक हुई कार्रवाई से डाक विभाग के महकमे में अफरा-तफरी मच गई। दिल्ली से आई सीबीआई की विशेष टीम ने बक्सर की डाक अधीक्षक कुमारी सरिता समेत कुल तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है। हिरासत में लिए गए सभी लोगों को जिला सर्किट हाउस ले जाया गया, जहां उनसे बंद कमरे में गहन पूछताछ की जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, डाक विभाग में वित्तीय लेनदेन से जुड़ी एक गंभीर शिकायत के आधार पर सीबीआई की टीम ने बक्सर में यह छापेमारी शुरू की। टीम ने नगर स्थित प्रधान डाकघर में भी दबिश दी, जहां वित्तीय रिकॉर्ड, फाइलों और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई। अचानक हुई इस छापेमारी से कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच हड़कंप का माहौल बना रहा। बताया जा रहा है कि सीबीआई की टीम हिरासत में लिए गए तीनों अधिकारियों और कर्मचारियों से वित्तीय अनियमितताओं और शिकायत से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर पूछताछ कर रही है। हालांकि, जांच की गोपनीयता को बनाए रखने के लिए सीबीआई अधिकारियों की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सीबीआई की इस अचानक हुई कार्रवाई के बाद स्थानीय डाक महकमे के साथ-साथ प्रशासनिक गलियारों में भी खलबली मची हुई है। सूत्रों का कहना है कि पूछताछ पूरी होने के बाद ही इस पूरे मामले में वित्तीय हेरफेर की सटीक जानकारी और कार्रवाई की मुख्य वजहों पर से पर्दा उठ सकेगा।

आरा-पटना हाईवे पर चक्का जाम, सांसद सुदामा प्रसाद के नेतृत्व में उतरे माले कार्यकर्ता

आरा शहर में सड़क और पुलिया निर्माण समेत विभिन्न मूलभूत सुविधाओं की मांग

बीएनएम@ आरा

आरा शहर में सड़क, पुलिया निर्माण और अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर मंगलवार की सुबह भाकपा-माले के नेतृत्व में आरा-पटना हाईवे पर जोरदार चक्का जाम किया गया। भोजपुर सांसद सुदामा प्रसाद के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने पटेल बस स्टैंड के समीप सड़क पर उतरकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सुबह करीब आठ बजे शुरू हुए इस प्रदर्शन के कारण हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई और आम यात्रियों व वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में पटेल बस स्टैंड से शिवगंज तक जर्जर सड़क का निर्माण व जीर्णोद्धार, श्रीटोला-बहीरो नहर पर नए पुल का निर्माण तथा बस स्टैंड के भीतर साफ-सफाई और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल था। कार्यकर्ताओं का कहना था कि शहर का यह प्रमुख यात्री केंद्र होने के बावजूद यहां बदहाली का माहौल है। नहर पर पुल न होने और सड़कों की खस्ता हालत के कारण लोगों को रोजाना भारी दुश्वारियों से गुजरना पड़ता है।सांसद सुदामा प्रसाद के साथ इस आंदोलन में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय समर्थक शामिल रहे। इस प्रदर्शन के माध्यम से भाकपा-माले ने स्थानीय जनता की इन समस्याओं को पुरजोर तरीके से उठाते हुए प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द इन विकास योजनाओं को पूरा नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

कसौटी पर अभी मंजिल दूर

बैडमिंटन के बड़े टूर्नामेंट्स में भारत की मजबूत उपस्थिति है, यह इस बार भी जाहिर हुआ। लेकिन सर्वोच्च सफलताओं की कसौटी पर अभी मंजिल दूर है। भारत को सिर्फ एक कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। देश ने राहत की सांस ली है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में बैंडमिंटन विश्व चैंपियनशिप का आयोजन दोषमुक्त ढंग से हुआ। इस साल के आरंभ में उसी स्टेडियम में इंडिया ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के आयोजन के दौरान बंदरों और कबूतरों की बार-बार घुसपैठ भारत की बदनामी की वजह बनी थी। काबिल-ए-तारीफ है कि आयोजकों ने उस अनुभव से सबक सीखा। नतीजतन, जिस समय दुनिया का ध्यान भारत पर टिका था, कोई ऐसी बात नहीं हुई, जो देशवासियों के लिए असहजता का कारण बनती। जहां तक खेल का संबंध है, भारत ने 2011 से लगातार कोई ना कोई मेडल जीतने का सिलसिला बरकरार रखा, लेकिन कुल प्रदर्शन इस टूर्नामेंट में भारत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी फीका रहा। अपना माहौल होने के बावजूद भारत को सिर्फ ट्रेसी जॉली और गायत्री गोपीचंद के महिला डबल्स में जीते कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दरअसल, दिल्ली में जाहिर यह हुआ कि बैडमिंटन जैसे बेहद प्रतिस्पर्धी खेल में किसी देश के लिए वर्चस्व बनाए रखना आसान नहीं है। पुरुष सिंगल्स में टॉप 5 सीड वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल से पहले ही बाहर हो गए। उधर बैटमिंटन की महाशक्ति जापान कोई स्वर्ण पदक नहीं जीत सका। एक अन्य महाशक्ति चीन को सिर्फ एक स्वर्ण पदक से संतोष करना पड़ा। कुल पांच श्रेणी में हुए मुकाबलों में इंडोनेशिया किसी फाइनल में जगह नहीं बना सका। स्कैंडेनेवियन देशों- खासकर डेनमार्क की नाकामियां भी ध्यान खींचती रहीं। जबकि नई महाशक्ति के रूप में फ्रांस का उदय हुआ, जिसने पुलिस सिंगल्स और मिस्क्ड डबल्स के स्वर्ण पदक जीते। इस प्रतियोगिता का संदेश है कि बैडमिंटन जैसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाले खेल में अपनी हैसियत बनाए रखने के लिए नई प्रतिभाओं के निरंतर उदय की उर्वर जमीन अनिवार्य है। इस सदी में भारत का इस खेल में एक ताकत बनना बड़ी उपलब्धि रहा है। बड़े टूर्नामेंट्स में भारत की मजबूत उपस्थिति है, यह इस बार भी जाहिर हुआ। लेकिन सर्वोच्च सफलताओं की कसौटी पर अभी मंजिल दूर है। प्रतिभाओं की खोज, खिलाड़ियों के लगन, प्रायोजकों की मदद, और खेल के उचित माहौल के तालमेल से ही यह दूरी तय की जा सकेगी।

अन्न का आरोग्य और संस्कार के साथ सीधा संबंध

विनीत नारायण

हम तेज़ी से एक बीमार देश बनते जा रहे हैं। हम बीमारी को डाक्टरी इलाज से ठीक करने में लाखों रुपया गवां देते हैं लेकिन बीमारी के कारणों को समझ कर जड़ से खत्म करने की कवायद नहीं करते। जबकि सच्चाई यह है कि अगर हम अपने धर्मशास्त्रों के अनुसार अपने भोजन और दिनचर्या को संचालित करें तो आधुनिक जीवन की चकाचौंध के बीच भी हम पूरी तरह स्वस्थ रह सकते हैं। आप भारत के किसी भी शहर या कस्बे में घूम कर देखिए तो सबसे ज़्यादा दुकानें अंग्रेज़ी दवाओं की मिलेंगी या पैथोलॉजी टेस्ट और एमआरआई आदि करने वाले सेंटर मिलेंगे या पचासों नर्सिंग होम व अस्पताल मिलेंगे। ज़ाहिर है कि हम तेज़ी से एक बीमार देश बनते जा रहे हैं। हम बीमारी को डाक्टरी इलाज से ठीक करने में लाखों रुपया गवां देतेहैं लेकिन बीमारी के कारणों कोसमझ कर जड़ से खत्म करने की कवायद नहीं करते। जबकि सच्चाई यह है कि अगर हम अपने धर्मशास्त्रों के अनुसार अपने भोजन और दिनचर्या को संचालित करें तो आधुनिक जीवन की चकाचौंध के बीच भी हम पूरी तरह स्वस्थ रह सकते हैं। हज़ारों सालों से ऋषि मुनियों ने अपने अनुभव और ज्ञान के आधार पर इन धर्मशास्त्रों की रचना की थी जो कलयुग के प्रारंभ में छिन्न-भिन्न हो गए। इसलिए नेमिशारण्य में शौनक ऋषि के नेतृत्व में देश भर के कोने-कोने से अ_ासी हज़ार ऋषि वहाँ ज्ञान चर्चा के लिए एकत्र हुए और लंबे व गहरे चिंतन व संवाद के बाद उस ज्ञान को लेकर पुनः भारत के कोने-कोने में पहुँच गए। उनके द्वारा दिए गए ज्ञान का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा और ये पद्धतियाँ समाज में स्वीकृत और प्रतिष्ठित हो गई, जिनके अनुसार हम आज भी कुछ सीमा तक आचरण कर रहे हैं।

उदाहरण के लिए फागुन पूर्णिमा को होलिकोत्सव करना, मकर संक्रांति के दिन तिल और गुड़ के लड्डू खाना और दान करना। सूर्य-चंद्र ग्रहण के समय खाना-पीना नहीं या फिर गणेश जी के पूजन के लिए दूर्वा का, शंकर जी के पूजन के लिए बेलपत्र का और विष्णु पूजन के लिए तुलसी पत्र का प्रयोग करना उसी परंपरा का प्रभाव है। इसी तरह विजयदशमी को शस्त्र पूजन करना, पाटी पूजन करना या विद्वानों को दक्षिणा देना, दीपावली के पहले अपने आवास की लिपाई-पुताई करना और लक्ष्मी पूजन के बाद दीपोत्सव करना। ये सब शास्त्र शुद्ध पद्धतियों का समावेश कर, जिन ग्रंथों की रचना की गई उन्हें धर्मशास्त्र कहते हैं। धर्म वही है जिसे प्रजा धारण करे यानी उसके अनुसार आचरण करे तो समाज को स्थिरता प्राप्त होती है। यही बात हमारे दैनिक आहार और पाक-क्रिया पर भी लागू होती है। हमारा आहार शास्त्र और पाक शास्त्र धर्मशास्त्रों का ही एक महत्वपूर्ण अंग है। जरा सोचें कि अधिकांश लोगों का भोजन, दाल-चावल, रोटी-सब्ज़ी होगा, यह किसने तय किया? दाल-सब्ज़ी को छौंकने का आविष्कार किसने किया होगा? श्राद्ध में उड़द की दाल की पकौड़ी, कचौड़ी, इमरती खाना और

होली के दिनों में खजूर और ज्वार खाना और चैत्र के महीने में कड़वे नीम का रस पीना ये किसने और कब तय किया होगा? इन परंपराओं को हम केवल अंधविश्वास से नहीं बल्कि अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने के उद्देश्य से आज भी निभाते आ रहे हैं। इसी तरह दक्षिण भारत में इडली डोसा, महाराष्ट्र में वरण और भात, राजस्थान में दाल-बाटी और सैंगरी, गुजरात में भकड़ी और सुखड़ी, पंजाब में परांठे और लस्सी, उड़ीसा में पखालभात, बंगाल में माछ-भात, ये कैसे और कब हमारी दिनचर्या में आए और आज भी हम इनका पालन करते हैं।

इसी तरह, भोजन बनाने की विभिन्न पद्धतियां, विभिन्न मसालों का प्रयोग, शुद्ध घी या फिर सरसों, तिल या नारियल के तेल का प्रयोग, भोजन परोसने की विभिन्न पद्धतियां, उनको पकाने और खाने के लिए विभिन्न धातुओं के पात्रों का प्रयोग किसने और कब सिखाया होगा? युगों से जो हम करते आए हैं वह हमें बहुत ही सहज और स्वाभाविक लगता है। पर विचार करने पर आश्चर्य होता है कि उन ऋषियों की समग्र बुद्धि और सूक्ष्मता पर, जिन्होंने इस विज्ञान को स्थापित किया। भोजन बनाना, परोसना और उसका आस्वादन करना, यह तत्वज्ञान है, यह यज्ञ है, शास्त्र है, कौशल है, कला है, रसास्वादन है, प्राणों की पुष्टि है, इन्द्रियों और मन का सुख है और यह हमारा संस्कार है। एक साथ पोषण, तोषण, संस्कार, आनंद और आत्म दर्शन है। अपनी संस्कृति के इन मूल तत्वों के कारण, भारत चिरंजीव बना है। इस वास्तविकता को अब पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। परंतु हम स्वयं ही आज इन बातों से विमुख हो गए हैं। मैकॉले की आजतक लागू शिक्षा पद्धति ने हमारी सोच को पूरी तरह बदल दिया है। अपने रीति-रिवाज़ों, परंपराओं, पद्धतियों और ख़ान-पान व पहनावे का सम्मान करने की बजाए हम उनका उपहास करना, आलोचना करना और उपेक्षा करना अपने आधुनिक होने का प्रमाण मानते हैं। हम अन्न को पवित्र मानने के स्थान पर उसे बाज़ार में बिकने वाला एक सामान्य पदार्थ मानने लगे हैं। अन्न का आरोग्य और संस्कार के साथ सीधा संबंध है, इस बात को भूल कर केवल स्वाद की संतुष्टि के लिए ही उसे ग्रहण करते हैं। इसलिए देश में अन्न का संकट और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का संकट बढ़ गया है। जैस कोई हीरे को पत्थर समझ कर फेंक दे, वैसे ही हमने अपने शास्त्रों को फेंक दिया है और पश्चिम की बाज़ारू संस्कृति के ग़ुलाम बन गए हैं। हमारे दैनिक जीवन में ऑनलाइन आनेवाला भोजन इसका प्रमाण है। जिसका परिणाम है आधुनिक चिकित्सा का दिन-दूना और रात-चौगुना बढ़ता कारोबार। उपरोक्त ज्ञान का आधार पुनरुत्थान प्रकाशन सेवा ट्रस्ट, कांकरिया, अहमदाबाद से प्रकाशित एक अत्यंत मूल्यवान ग्रंथ 'आहारशास्त्रÓ है जो आज हर घर में होना चाहिए। मात्र पाँच सौ रुपए का यह ग्रंथ पढ़कर हर महिला अपने घर को निरोगी, सुखी व संपन्न बना सकती है। इसी क्रम में याद आया कि कई बरस पहले अमरीका के कई बड़े शहरों में अपनी व्याख्यान माला के दौरान, लॉस एंजलेस से सैनहोज़े की फ्लाइट में एक वृद्ध अमरीकी महिला, जो मेरे साथ बैठी थीं, उनसे मैंने पूछा कि वे कहाँ जा रही हैं? वे बोलीं अपनी नातिन के पास। क्योंकि वो फ़ोन पर कहती है, नानी आपका बनाया खाना मुझे बहुत अच्छा लगता है। मम्मी जो पका-पकाया खाना बाज़ार से लाती हैं उसमें कोई स्वाद नहीं है। इसलिए मैं कुछ दिनों के लिए उसके पास जा रही हूँ। उनकी ये बात सुनकर मुझे अपनी माँ और नानी के बनाए खाने का स्वाद मुंह में आ गया। वो स्वाद जिससे आज की युवा पीढ़ी और हमारे नाती-पोते बहुत तेज़ी से वंचित होते जा रहे हैं।

भारत में अमीर और गरीब की खाई बढ़ती जा रही

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल भी लाल किले से भाषण दिया आत्मनिर्भर भारत की सबसे ज्यादा बात कही। लेकिन दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता पहले कभी भी इतनी नहीं रही है। इसी तरह मोदी जनधन खाते, आधार और मोबाइल के हवाले दावा करते हैं कि भारत में बड़ी आबादी को अर्थव्यवस्था से जोड़ा जा रहा है लेकिन असल में इतनी असमानता कभी नहीं रही। प्रधानमंत्री मोदी ने नारा दिया था कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा लेकिन भ्रष्टाचार का ऐसा इकोसिस्टम देश में इससे पहले कभी नहीं बना था। इन्सॉलवेंसी एंड बैंकरप्सी कोड यानी आईबीसी लूट का कानून है। इस कानून के आधार पर एनसीएलटी और एनसीएलएटी में जो हो रहा है वह दुनिया के सामने है। अभी देश के एक कारोबारी सुभाष चंद्रा की खबर आई है कि उनका 22 हजार करोड़ रुपए का कर्ज साढ़े छह करोड़ रुपए में सेटल हुआ है। याना 21 हजार नौ सौ 93 करोड़ से ज्यादा रुपए बट्टेखाते में गए हैं! लेकिन सरकार की उपलब्धि बताने वाले सुहेल सेठ जैसे लोग सोशल मीडिया में पोस्ट लिख रहे हैं कि पहले 2014 में बैंकों का एनपीए 11 फीसदी था और अब 0.4 फीसदी रह गया है। एनपीए कैसे कम नहीं रहेगा, जब हर साल बैंकों का बकाया बट्टेखाते में डाल दिया जाएगा या आईबीसी के जरिए उसे खत्म कर दिया जाएगा तो एनपीए कहां से होगा! सरकार ने पिछले 12 साल में 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बट्टेखाते में डाले हैं और हर साल हजारों करोड़ रुपए आईबीसी के जरिए साफ किए जा रहे हैं।

अगर आत्मनिर्भरता की बात करें तो दुनिया के देशों खास कर चीन पर भारत की निर्भरता इतनी बढ़ती जा रही है कि भारत उसका आर्थिक गुलाम बनने की ओर बढ़

रहा है। पहली बार चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया। यानी चीन को हम जितना सामान बेचते हैं उससे 10 लाख करोड़ रुपए ज्यादा का सामान खरीदते हैं। भारत की फार्मा इंडस्ट्री से लेकर कृषि सेक्टर तक ज्यादातर सेक्टर ऐसे हैं, जिनका काम चीन के भरोसे चल रहा है। जिन सेक्टर में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात कही जा रही है उसमें भी चीन के बगैर काम नहीं चलेगा। और यह स्थिति इसके बावजूद है कि चीन लगातार भारत की जमीन हड़प रहा है और भारत को पेट्रोलिंग प्वाइंट से पीछे कर रहा है। 2020 में गलवान में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारत के 20 जवान शहीद हुए थे। उसके बाद चीन से कारोबार बंद होना चाहिए तो तो कारोबार बढ़ता जा रहा है।

नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने थे तब भारत अपनी जरुरत का 81 फीसदी तेल आयात करता था। उस समय मोदी ने कहा था कि भारत इस आयात को धीरे धीरे कम करेगा। उन्होंने कहा था कि भारत तेल की खोज और रिफाइनिंग क्षमता को बढ़ाएगा। लेकिन उलटा हुआ। तेल और प्राकृतिक गैस की खोज नहीं हुई उलटे ईंधन का आयात बढ़ कर लगभग 90 फीसदी पहुंच गया। तेल और गैस खोजने वाली भारत की सबसे बड़ी कंपनी ओएनजीसी का सारा कैश गायब हो गया और एक्सप्लोरेशन का काम लगभग ठप्प हो गया। ऊर्जा से लेकर उपकरण और एआई तक सबमें भारत दूसरे देशों पर निर्भर है।

अगर भारत में बढ़ती असमानता की बात करें तो पेरिस की वर्ल्ड इनइक्विलिटी लैब की विश्व असमानता रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में अमीर और गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। देश की कुल संपत्ति का करीब 40 फीसदी हिस्सा ऊपर के एक फीसदी लोगों के पास हैं। देश के अमीर 10 फीसदी लोगों के पास कुल संपत्ति का 65 फीसदी हिस्सा है। अगर आय की बात करें तो देश की ऊपर की 10 फीसदी आबादी का आय में हिस्सा 58 फीसदी है, जबकि नीचे की 50 फीसदी आबादी का आय में हिस्सा सिर्फ 15 फीसदी है। दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले भारत में अरबपतियों की संख्या ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। चुनिंदा लोगों के हाथों में संपत्ति और आय का केंद्रीकरण ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना महामारी ने देश के असंगठित क्षेत्र और लघु व मझोले उद्यम को लगभग खत्म कर दिया। सरकार की नीतियों के कारण कोरोना महामारी के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में 'के शेपÓ का विकास हुआ, जिसमें अमीर और अमीर होते गए, जबकि गरीब और नीचे जाते चले गए।

पर्युषण पर अंतरमन का प्रदूषण मिटाएँ, सद्भाव के दीप जलाएँ

कांतिलाल मांडोत

हर धर्म और परंपरा में वर्षभर के जीवन क्रम के बीच कुछ ऐसे अवसर आते हैं, जब मनुष्य सांसारिक व्यस्तताओं से थोड़ा विराम लेकर धर्म, साधना, दान-पुण्य और आत्मचिंतन की ओर बढ़ता है। इन अवसरों का उद्देश्य केवल पूजा-पाठ या धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं होता, बल्कि व्यक्ति को अपने जीवन, व्यवहार और विचारों को बेहतर बनाने की प्रेरणा देना भी होता है। जैन धर्म में ऐसा ही महान आध्यात्मिक अवसर पर्युषण महापर्व है। आठ सितंबर से प्रारंभ होने जा रहा यह पर्व जैन समाज के लिए केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मा की ओर लौटने, अपने भीतर झांकने और जीवन में जमी विकृतियों को दूर करने का अवसर है। सामान्य तौर पर पर्वों की कल्पना उल्लास, मेल-मिलाप, खान-पान और मनोरंजन से जुड़ी होती है। लेकिन पर्युषण की प्रकृति इससे अलग है। यह बाहरी उल्लास से अधिक आंतरिक प्रसन्नता का पर्व है। इसमें व्यक्ति अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, राग और द्वेष जैसे विकारों को पहचानने तथा उन्हें कम करने का प्रयास करता है। जप, तप, स्वाध्याय, सामायिक, प्रतिक्रमण, ध्यान और प्रभु की आराधना के माध्यम से मनुष्य अपने जीवन को आत्मसंयम की दिशा में ले जाने का प्रयास करता है।

स्वयं से मिलने का अवसर है पर्युषणः पर्युषण का सबसे बड़ा संदेश आत्मचिंतन है। आज का मनुष्य दुनिया और दूसरों के बारे में बहुत कुछ जानता है, लेकिन स्वयं को जानने और समझने के लिए उसके पास समय कम है। दिनभर की भागदौड़ में परिवार, व्यवसाय, समाज और भौतिक आवश्यकताओं की चिंता करते-करते व्यक्ति अपने ही मन से दूर होता चला जाता है। पर्युषण उसे इसी दूरी को समाप्त करने का अवसर देता है। पर्युषण का भाव ही आत्मा के समीप जाने और स्वयं को देखने से जुड़ा है। मनुष्य जब अपने भीतर झांकता है तो उसे अपने गुणों के साथ अपनी कमियां भी दिखाई देती हैं। यही आत्मनिरीक्षण आगे चलकर आत्मसुधार का मार्ग बनता है। इसलिए पर्युषण को केवल मंदिर जाने या धार्मिक क्रियाएं करने का पर्व मानना इसके व्यापक उद्देश्य को सीमित कर देना होगा। वास्तविक पर्युषण तब है, जब व्यक्ति अपने व्यवहार में परिवर्तन लाने का संकल्प करे।

अंतरमन के प्रदूषण को दूर करने का संदेशः आज पर्यावरण प्रदूषण की चर्चा पूरे विश्व में होती है। हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषण से बचाने के लिए अनेक प्रयास किए जाते हैं। लेकिन मनुष्य के भीतर जमा होने वाले प्रदूषण की ओर अपेक्षाकृत कम ध्यान जाता है। क्रोध, अहंकार, छल, लोभ, ईर्ष्या, कटुता और द्वेष भी एक प्रकार का आंतरिक प्रदूषण हैं। जब ये भाव मन में लगातार बने रहते हैं तो व्यक्ति स्वयं भी अशांत रहता है और उसके आसपास का वातावरण भी प्रभावित होता है। पर्युषण इसी आंतरिक प्रदूषण को दूर करने की साधना है। मन के आंगन में वर्षों से जमा विकारों को विवेक की बुहारी से साफ करने का अवसर है। जिस प्रकार घर की सफाई केवल बाहर से दिखाई देने वाले कचरे को हटाने तक सीमित नहीं होती, उसी प्रकार आत्मशुद्धि भी केवल बाहरी धार्मिक क्रियाओं से पूरी नहीं होती। इसके लिए मन की गहराई में उतरना आवश्यक है।

तप और संयम से कर्म निर्जरा की ओरः जैन दर्शन में तपस्या और संयम का विशेष महत्व है। पर्युषण के दौरान जप, तप, उपवास, स्वाध्याय और साधना के माध्यम से साधक आत्मा को कर्मों के बंधन से मुक्त करने की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करता है। आठ दिनों का यह काल साधक के लिए अपनी इंद्रियों, इच्छाओं और प्रवृत्तियों पर अनुशासन स्थापित करने का अवसर बनता है।

इस दौरान अनेक श्रावक-श्राविकाएं उपवास, एकासना, आयंबिल आदि विभिन्न प्रकार की तप साधनाएं करते हैं। तपस्या का उद्देश्य केवल शरीर को कष्ट देना नहीं, बल्कि इच्छाओं और आसक्तियों पर नियंत्रण प्राप्त करना है। जब मनुष्य अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच अंतर समझने लगता है, तब उसके भीतर संयम की भावना मजबूत होती है।

क्षमा और आत्मशुद्धि की भावनाः पर्युषण का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष क्षमा है। वर्षभर में जाने-अनजाने किसी के प्रति कटुता, अपमान, क्रोध या अन्याय का भाव उत्पन्न हुआ हो तो उसे स्वीकार करना और क्षमा मांगना आत्मशुद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। क्षमा केवल सामने वाले से माफी मांगने का नाम नहीं है, बल्कि अपने भीतर जमा हुए द्वेष को समाप्त करने की प्रक्रिया भी है। यदि मनुष्य अपने जीवन में क्षमा को स्थान दे तो अनेक व्यक्तिगत और सामाजिक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। इसी कारण पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं है। क्षमा, विनय, सरलता, संतोष, समता और सद्भाव जैसे गुण किसी भी धर्म और समाज के लिए उपयोगी हैं। आठ दिनों में पूरे वर्ष का आत्ममंथनः पर्युषण के आठ दिन वास्तव में पूरे वर्ष के जीवन का हिसाब-किताब देखने का अवसर हैं। एक कुशल व्यवसायी जिस तरह लाभ-हानि की समीक्षा करता है, उसी प्रकार व्यक्ति को भी अपने व्यवहार और कर्मों की समीक्षा करनी चाहिए। पूरे वर्ष में कहां क्रोध किया, कहां किसी को दुख पहुंचाया, कहां लोभ या अहंकार हावी हुआ, कहां गलत शब्द बोले और कहां किसी की सहायता करने का अवसर खो दिया, इन सब पर विचार करना आत्ममंथन का हिस्सा है। प्रतिक्रमण जैसी साधनाओं का उद्देश्य भी इसी आत्मनिरीक्षण और शुद्धिकरण से जुड़ा है। अपनी भूल को स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। जो व्यक्ति अपनी गलती देख सकता है, वही उसमें सुधार भी कर सकता है। धर्म का अर्थ जीवन में परिवर्तनः धर्म केवल पूजा-पाठ और अनुष्ठानों का नाम नहीं है। यदि धार्मिक साधना के बाद भी व्यक्ति के व्यवहार में क्रोध, कटुता, अहंकार और द्वेष कम नहीं होते तो उसे अपनी साधना की दिशा पर विचार करना चाहिए। पर्युषण हमें यही समझाता है कि धर्म जीवन में दिखाई देना चाहिए। वाणी में मधुरता आए, व्यवहार में विनम्रता आए, जरूरतमंद की सहायता करने की भावना जागे, किसी की निंदा करने से बचें, अनावश्यक विवादों से दूर रहें और धन तथा सामर्थ्य का उपयोग सत्प्रवृत्तियों के लिए करें, तभी धार्मिक साधना सार्थक मानी जा सकती है।

एक पर्व समाप्त होते ही शुरू होगा दूसरा आध्यात्मिक पर्वः आठ सितंबर से प्रारंभ होने वाला श्वेतांबर जैन समाज का पर्युषण महापर्व अपने निर्धारित धार्मिक क्रम के साथ संपन्न होगा। इसके बाद दिगंबर जैन समाज का दस लक्षण पर्व प्रारंभ होता है। दोनों परंपराओं की अपनी धार्मिक मान्यताएं और साधना पद्धतियां हैं, लेकिन दोनों के केंद्र में आत्मशुद्धि, संयम और सद्गुणों का विकास ही दिखाई देता है। यह संयोग भी भारतीय धार्मिक परंपरा की उस व्यापक भावना को सामने लाता है, जिसमें अलग-अलग पंथ और परंपराएं अपने-अपने ढंग से मनुष्य को बेहतर जीवन की ओर ले जाने का प्रयास करती हैं। सभी के लिए उपयोगी है पर्युषण का संदेशः पर्युषण जैन समाज का महापर्व है, लेकिन इसके संदेश की व्यापकता किसी एक समाज तक सीमित नहीं है। दुनिया में शांति की आवश्यकता हो या परिवार में प्रेम की, समाज में सद्भाव की जरूरत हो या व्यक्ति के जीवन में संतोष की, इन सभी के मूल में आत्मसंयम और सकारात्मक सोच का महत्व है। आज विज्ञान और तकनीक ने मनुष्य को अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं। भौतिक प्रगति हुई है, जीवन की गति बढ़ी है, लेकिन इसके साथ तनाव, असंतोष और अकेलापन भी बढ़ा है। ऐसे समय में पर्युषण जैसे पर्व मनुष्य को याद दिलाते हैं कि बाहरी विकास के साथ आंतरिक विकास भी आवश्यक है। इसलिए इन आठ दिनों को केवल धार्मिक कैलेंडर की तारीखों के रूप में नहीं, बल्कि स्वयं को बदलने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। मन के भीतर जमा क्रोध को क्षमा से, अहंकार को विनय से, लोभ को संतोष से और द्वेष को सद्भाव से दूर करने का प्रयास ही इस पर्व की सच्ची आराधना होगी।

आज का राशिफल

मेष राशि- आज आपका दिन महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में बीतेगा। आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र की वृद्धि होगी। आज कोई बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के मौके हाथ लगेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। वैवाहिक जीवन में आपसी लगाव बढ़ेगा। आज आपको सभी परेशानियों से छुटकारा मिलेगा।

वृष राशि- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे। सोचे हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल करेंगे। मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज अच्छा लाभ मिलेगा। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों को आज प्रमोशन से जुडी अच्छी खबर मिल सकती है। आज संतान पक्ष से आपको सुखद अनुभूति होगी। इंजीनियरिंग के छात्रों को आगे बढने के नये मौके मिलेंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बढिया रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को आज थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है, सफलता मिलने के योग बने हुए हैं। ऑफिस में फोन का उपयोग कम करें, अन्यथा आपकी छवि खराब हो सकती है। आज किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या को लेकर अच्छे डॉक्टर से संपर्क करेंगे। अगर आज नये बिजनेस की शुरूआत करना चाहते है तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह ले लें।

कर्क राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। दांपत्य जीवन में खुशी का माहौल बनेगा। धार्मिक कार्यों में आज आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। साथ ही किसी धार्मिक अनुष्ठान में जाने का मौका भी मिल सकता है। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी।

सिंह राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढ़ेगा। किसी कार्य में घरवाले आपकी तारीफ करेंगे। छात्रों की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी। आपकी नौकरी में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आयेंगे। किसी से लिया कर्ज आज आप वापस करेंगे। आज आपकी परेशानियां कम होंगी, जिससे आप रिलैक्स महसूस करेंगे।

कन्या राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी, आज आपकी पहले से चल रही को ईएमआई आज पूरी होगी। आज फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा। आज कोई ऑनलाइन बड़ा ऑर्डर आपको मिलेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आपकी पारिवारिक स्थितियां पहले से अनुकूल बनेंगी। आज संतान पक्ष से कोई अच्छी खबर मिलेगी। आपके शत्रु परास्त होंगे।

तुला राशि- आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आपको खानपान का खास ख्याल रखना चाहिए। आपकी आमदनी की अपेक्षा आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी। आज किसी नए कार्य में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज वाहन चलाते समय आप फोन का इस्तेमाल न करें। विद्यार्थी आज अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे। आज बिजनेस में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। आज जरूरत से ज्यादा किसी की बात का जवाब देने से बचे।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आज किसी कार्य में आपके प्रयत्न सफल रहेंगे, मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के जो अविवाहित हैं उनके विवाह के लिए अच्छे रिश्ते आयेंगे। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे, उनसे अपने मन की बात शेयर करेंगे। आज वाहन लेने का अवसर आपको मिल सकता है। डिजाइनर्स को आज कोई बड़ा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं।

धनु राशि- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज पारिवारिक रिश्ते में अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। आप अपने किसी क्लाइंट से विडियो कॉल करके मीटिंग करेंगे। इस राशि के लोगों को आज के दिन कम्प्यूटर से संबंधी सामान खरीदना शुभ है।

मकर राशि- आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। पहले से चली आ रही पारिवारिक अनबन आज समाप्त होगी। आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। कोई नया वाहन लेने का विचार आज आप अपने परिवार वालों के साथ करेंगे। स्टेशनरी का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा मुनाफा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का बड़े अधिकारियों से संपर्क बढ़ेगा।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर के बड़ों से आगे बढने की राय मिलेगी, जो आगे चलकर आपके काम आयेगी। किसी राइटर की बुक आज पब्लिश होगी, जिसके लिए उसको अवॉर्ड मिलेगा। अपने आप को एकदम फिट एंड फाइन रखने के लिए एक्सरसाइज करें। लवमेट आज फोन पर देर तक बात करेंगे।

मीन राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी खास मेहमान के स्वागत सत्कार में आप व्यस्त रहेंगे और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। बिजली व्यापारियों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी। इस राशि के जो लोग अपने करियर की नई शुरुआत करने की सोच रहे है। आज उनके लिए दिन शुभ है। बेवजह को बातों को सोच-विचार करने से बचने का प्रयास करें।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अफगानिस्तान की मेजबानी में जिम्बाब्वे और बांग्लादेश के बीच त्रिकोणीय वनडे श्रृंखला 17 अक्टूबर से

एजेंसी, दुबई

अफगानिस्तान की मेजबानी में जिम्बाब्वे और बांग्लादेश के बीच त्रिकोणीय वनडे श्रृंखला 17 अक्टूबर से शुरू होगी। तीनों टीमों के बीच मुकाबले 17 से 23 अक्टूबर तक खेले जाएंगे। इसके बाद अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला होगी।

त्रिकोणीय श्रृंखला का पहला मुकाबला 17 अक्टूबर को जिम्बाब्वे और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। इसके बाद 19 अक्टूबर को जिम्बाब्वे का सामना मेजबान अफगानिस्तान से होगा। अफगानिस्तान और बांग्लादेश 21 अक्टूबर को आमने-सामने होंगे, जबकि फाइनल 23 अक्टूबर को खेला जाएगा। त्रिकोणीय श्रृंखला के बाद अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले 27 और 29 अक्टूबर

तथा 1 नवंबर को खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमों के बीच दो टेस्ट मैच होंगे। पहला टेस्ट 5 नवंबर से और दूसरा 13 नवंबर से शुरू होगा। जिम्बाब्वे के संयुक्त अरब अमीरात पहुंचने से पहले अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच एकमात्र टेस्ट मैच भी खेला जाएगा। यह मुकाबला 9 से 13 अक्टूबर तक होगा। जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रबंध निदेशक गिवेमोर मकोनी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "यह जिम्बाब्वे के लिए महत्वपूर्ण दौरा है, जो हमारे खिलाड़ियों को तीनों प्रारूपों में उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का अवसर देगा। त्रिकोणीय वनडे श्रृंखला में हमें दो मजबूत टीमों के खिलाफ अपनी क्षमता परखने का मौका मिलेगा, जबकि दो टेस्ट विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि हम लंबे प्रारूप में नियमित अवसर हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।"

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नसीब खान ने कहा, "अलग-अलग प्रारूपों में बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलना हमारे खिलाड़ियों को मूल्यवान प्रतिस्पर्धी अवसर देगा और हमारे समर्थकों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का एक रोमांचक दौर लेकर आएगा।" उन्होंने कहा, "अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपनी राष्ट्रीय टीम को नियमित रूप से उच्च गुणवत्ता वाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। हम बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और जिम्बाब्वे क्रिकेट के साथ अपने संबंधों को बेहद महत्व देते हैं और इन महत्वपूर्ण मुकाबलों को संभव बनाने में उनके सहयोग की सराहना करते हैं।"

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन: दो बार के चैंपियन बिरहानु लेगेसे की नजर तीसरे खिताब पर

एजेंसी, नई दिल्ली

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के 21वें संस्करण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टार एथलीटों की घोषणा कर दी गई है। विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस का आयोजन 18 अक्टूबर को नई दिल्ली में होगा। पुरुष वर्ग में इथियोपिया के दो बार के चैंपियन बिरहानु लेगेसे और महिला वर्ग में केन्या की 2022 की विजेता इरिन चेप्ताई आकर्षण का केंद्र होंगी। प्रोकैम इंटरनेशनल की ओर से मंगलवार को घोषित एलीट खिलाड़ियों की सूची में बिरहानु लेगेसे 58 मिनट 59 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ सबसे तेज धावक हैं। महिला वर्ग में इरिन चेप्ताई का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 64 मिनट 53 सेकंड है। इस प्रतिष्ठित दौड़ में दुनिया के शीर्ष दूरी के धावक हिस्सा लेंगे। कुल पुरस्कार राशि 2,75,732

अमेरिकी डॉलर रखी गई है, जबकि पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं को 27,000-27,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। दोनों वर्गों में दसवें स्थान तक के धावकों को पुरस्कार राशि दी जाएगी। शीर्ष भारतीय धावकों के लिए अलग प्रोत्साहन राशि भी होगी। इसके अलावा अपने वर्ग का पिछला आयोजन रिकॉर्ड तोड़ने वाले एलीट धावक को 12,000 अमेरिकी डॉलर का रिकॉर्ड बोनस दिया जाएगा। पुरुष वर्ग में बिरहानु लेगेसे के अलावा सात ऐसे धावक शामिल हैं, जिनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 60 मिनट से कम है। इससे इस साल की पुरुष दौड़ के बेहद प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद है। केन्या के चार्ल्स माताता भी चुनौती पेश करेंगे, जो 2023 में दिल्ली हाफ मैराथन में उपविजेता रहे थे और इस साल इस्तांबुल हाफ मैराथन में भी दूसरे स्थान पर रहे। इथियोपिया के डेरिबा टेस्फाये और मेलाकु बेलाचेव भी पुरुष वर्ग को मजबूती देंगे। डेरिबा रॉटरडैम मैराथन में दूसरे स्थान पर रहे हैं, जबकि मेलाकु ने 2026 हांगकांग मैराथन का खिताब जीता है। दिल्ली लौटने को लेकर बिरहानु लेगेसे ने कहा, "पिछली बार मैं बेहद मामूली अंतर से पोडियम पर जगह बनाने से चूक गया था और इस बार उसकी भरपाई करने के लिए उत्सुक हूं। भारतीय राजधानी में दौड़ना हमेशा सुखद रहा है। मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं और इस साल रेस के दिन से पहले शानदार फॉर्म हासिल करने पर ध्यान दे रहा हूं।" महिला वर्ग में 2022 की विजेता इरिन चेप्ताई को इस बार कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। पिछले साल की रजत पदक विजेता इथियोपिया की मेलाल सियोउम बिरातु और 2024 की उपविजेता केन्या की सिंथिया लिमो भी खिताब की दौड़ में होंगी।

जूनियर एशिया कप: भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से हराया, सेमीफाइनल के करीब पहुंचा

एजेंसी, मोकी, चीन

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को दक्षिण कोरिया को 7-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत पूल-ए में सात अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है और सेमीफाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच गया है। मौजूदा चैंपियन भारत ने तीन मुकाबलों में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ सात अंक हासिल किए हैं। दक्षिण कोरिया के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआती तीन क्वार्टर में कड़ी चुनौती का सामना किया, लेकिन

तीसरे क्वार्टर के आखिरी दौर में बढ़त हासिल करने के बाद अंतिम क्वार्टर में तीन गोल दागकर मुकाबले को पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। भारत के कप्तान और स्टार ड्रैगफ्लिकर अनमोल एक्का एक बार फिर टीम के सबसे प्रभावी खिलाड़ी रहे। उन्होंने दो गोल किए और टूर्नामेंट में अपने गोलों की संख्या आठ तक पहुंचा दी। भारत ने पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अनमोल के गोल से बढ़त बनाई। हालांकि, दक्षिण कोरिया ने अगले ही मिनट में दोह्योन चोई के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में लोवेनूर सिंह ने 18वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत को फिर आगे किया, लेकिन ह्योगुक यू ने अगले ही मिनट पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर दक्षिण कोरिया को 2-2 की बराबरी दिला दी। भारत ने हालांकि हाफ टाइम से पहले बढ़त हासिल कर ली। अजीत यादव ने 20वें मिनट में गोल कर भारत को 3-2 से आगे कर दिया।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बिग बैश लीग में निजी निवेश का रास्ता खोला, मेलबर्न रेनेगेड्स से होगी शुरुआत

एजेंसी, मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में निजी निवेश का रास्ता खोलने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत मेलबर्न रेनेगेड्स ऐसा पहला क्लब होगा, जिसके लिए निजी निवेशकों से बोली आमंत्रित की जाएगी। योजना के अनुसार रेनेगेड्स 2027-28 सत्र में नए स्वामित्व के साथ मैदान पर उतर सकता है। सीए निजी निवेशकों से रेनेगेड्स के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करेगा। इस प्रक्रिया की सफलता के बाद अन्य बिग बैश लीग क्लबों के लिए भी निजी निवेश का रास्ता खुल सकता है। हालांकि, भविष्य में किसी अन्य क्लब की बिक्री का फैसला संबंधित राज्य सदस्य अपने क्लब और स्थानीय समुदाय के हितों को ध्यान में रखते हुए करेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और उसके राज्य सदस्य बिग बैश लीग और महिला बिग बैश लीग में निवेश करने और उन्हें विकसित करने तथा क्रिकेट के हर स्तर के हितों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बिग बैश लीग में निजी निवेश का रास्ता खोलकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया खेल के दीर्घकालिक भविष्य को मजबूत और सुरक्षित करने की दिशा में एक सोच-समझकर उठाया गया कदम उठा रहा है।"

यूएस ओपन: अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने लुसियानो डारडेरी को हराया, क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

एजेंसी, न्यूयॉर्क

शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के लुसियानो डारडेरी को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। ज्वेरेव ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में डारडेरी को 6-2, 6-2, 7-6(7-3) से शिकस्त दी। लगातार चौथी रात मुकाबला खेलने उतरे 29 वर्षीय ज्वेरेव ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया।

इस टूर्नामेंट में इससे पहले वह दो मुकाबले पांच सेट तक खेल चुके थे, लेकिन डारडेरी के खिलाफ

उन्होंने मुकाबले को लंबा खिंचने नहीं दिया। ज्वेरेव ने पहले सेट में अपनी सर्विस पर दबाव के बावजूद शानदार नियंत्रण बनाए रखा और सेट 6-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में 21वीं वरीयता प्राप्त डारडेरी की एक गलत ड्रॉप शॉट ने ज्वेरेव को दूसरी बार ब्रेक का मौका दिया, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। ज्वेरेव ने 4-0 की बढ़त हासिल करने के बाद दूसरा सेट भी 6-2 से जीत लिया। तीसरे सेट में डारडेरी ने वापसी की कोशिश की। उनकी तेज पहली सर्विस और ड्रॉप शॉट ने ज्वेरेव को काफी परेशान किया और मुकाबला टाई-ब्रेक तक पहुंचा। हालांकि ज्वेरेव ने दबाव में धैर्य बनाए रखते हुए टाई-ब्रेक 7-3 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ज्वेरेव इस साल चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले एकमात्र पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में फ्लाई हाई मेरिटाइम ट्रैवल्स की जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री, डिस्काउंट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

शिपिंग कंपनियों को क्रू मैनेजमेंट सर्विस देने वाली मेरिटाइम ट्रैवल कंपनी फ्लाई हाई मेरिटाइम ट्रैवल्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को करारा झटका दे दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 102 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 81.60 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर लुढ़क कर 77.55 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 24.45 रुपये यानी 23.97 प्रतिशत का नुकसान हो गया। इस आईपीओ में एक लॉट 1,200 शेयर का था। इस तरह आईपीओ निवेशकों को आज लोअर सर्किट लग जाने के कारण प्रति लॉट 29,340 रुपये की चपत लग गई। कंपनी का 52.63

करोड़ रुपये का आईपीओ एक से तीन सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 58 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.66 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 51.60 लाख शेयर जारी हुए हैं। इनमें लगभग 43 करोड़ रुपये के 41,60,400 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा लगभग 10 करोड़ रुपये के 9,99,600 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी बिजनेस और मार्केटिंग एक्टिविटीज को तेज करने, पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। फ्लाई हाई मेरिटाइम ट्रैवल्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 1.82 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 3.44 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 8.43 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 45.41 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 45.75 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 62.21 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदा कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 4.84 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 10.03 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 12.97 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6.09 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ बढ़ कर 9.53 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 17.96 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी को इस मोर्चे पर भी लगातार सफलता मिली। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6.08 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस बढ़ कर 9.52 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस उछल कर 12.95 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2023-24 में 2.68 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 5.27 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का ईबीआईटीडीए उछल कर 12.49 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

स्टॉक मार्केट में फार्म पीस की धमाकेदार शुरुआत, लोअर सर्किट लगने के बावजूद बंपर मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

चिप्स और फ्रेंच फ्राइज के लिए किसानों से अनुबंध के आधार पर आलू की खेती कराने वाली इंटीग्रेटेड कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग कंपनी फार्म पीस लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने जबरदस्त मजबूती के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को बंपर मुनाफा करा दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 59 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 112.10 रुपये के स्तर पर हुई। शानदार लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के सपोर्ट से से कुछ देर में ही कंपनी के शेयर उछल कर 117.70 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। हालांकि इस स्तर पर मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये शेयर गिर कर 106.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गए। हालांकि लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों प्रति शेयर 47.50 रुपये यानी 80.51 प्रतिशत के फायदे में थे। इस आईपीओ में एक लॉट 2,000 शेयर का था। इस तरह आईपीओ निवेशकों को आज लोअर

सर्किट के बावजूद प्रति लॉट कम से कम 95 हजार रुपये का फायदा हो गया। इस कंपनी का 32 करोड़ रुपये का आईपीओ एक से तीन सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.73 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 59 प्रतिशत ही सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 54.24 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। फार्म पीस की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 6.16 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 6.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 7.53 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 62.75 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 79.98 करोड़ रुपये और 2025-26 में उछल कर 90.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 7.12 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 2.46 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट जारी, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 600 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में बदलाव होने के कारण सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से

लेकर 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,54,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

सपाट शुरुआत के बाद लुढ़के रेज ऑफ बिलीफ के शेयर, घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली । मॉम्स बिलीफ ब्रैंड नेम से ऑटिज्म और एडीएचडी पीड़ित बच्चों के लिए थेरेपी और मेडिकेयर सुविधा उपलब्ध कराने वाली कंपनी रेज ऑफ बिलीफ लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 239 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 239 रुपये के स्तर पर ही हुई। फ्लैट लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिक्री की वजह से ये शेयर लुढ़क कर 227.32 रुपये के स्तर तक गिर गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने से इसकी चाल में सुधार होने लगा। सुबह 10:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 230 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर नौ रुपये यानी 3.77 प्रतिशत का नुकसान हो गया था। इस कंपनी का 125 करोड़ रुपये का आईपीओ एक से तीन सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 107.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 9.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

केंद्र की 37,500 करोड़ की कोयला गैसीकरण योजना के लिए पहले दौर में मिले 7 आवेदन

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार की 37,500 करोड़ रुपये के सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण प्रोत्साहन योजना के लिए पहले दौर में कुल सात आवेदन मिले हैं। ये आवेदन प्रमुख इंडस्ट्रीज और सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम से कुल 7 आवेदन मिले है। इनमें से तीन आवेदन अडाणी इंटरप्राइजेज की ओर से आए हैं। कोयला मंत्रालय के मुताबिक अडाणी एंटरप्राइजेज, गैलेंट इस्पात, एनटीपीसी, श्याम सेल एंड पावर और तालचर फर्टिलाइजर्स ने ये आवेदन जमा किए हैं। इन आवेदनों में यूरिया, डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन, सिनगैस और सिंथेटिक नेचुरल गैस से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। सरकार का

मानना है कि इस प्रतिक्रिया से घरेलू कोयला गैसीफिकेशन को बढ़ाने की उसकी कोशिशों को मजबूती मिली है। अडाणी एंटरप्राइजेज ने यूरिया प्रोजेक्ट्स के लिए तीन अलग-अलग आवेदन जमा किए हैं, जबकि गैलेंट इस्पात ने डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन और सिनगैस प्रोजेक्ट के लिए आवेदन किया है। एनपीसी ने सिंथेटिक नेचुरल गैस प्रोजेक्ट का प्रस्ताव दिया है, श्याम सेल एंड पावर ने सिनगैस प्रोजेक्ट के लिए और तालचर फर्टिलाइजर्स ने यूरिया प्रोजेक्ट के लिए आवेदन किया है। मंत्रालय ने कहा कि यह योजना और देश के कोयला गैसीकरण मिशन में स्पष्ट विश्वास का प्रतीक हैं। इसमें बाजार ने अपना निर्णय बहुत ही स्पष्ट रूप से दिया है। पहले दौर के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का अब योजना के दिशानिर्देशों और निविदा प्रस्ताव (आरएफपी) के अनुसार विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा। कोयला मंत्रालय ने 8 सितंबर से योजना के दूसरे चरण के खुलने की घोषणा की। निविदा के अनुसार आवेदन प्रक्रिया दो-दो महीने के अंतराल पर जारी रहेगी, जिससे पात्र संस्थाओं को नियमित रूप से भाग लेने का अवसर भी मिलेगा।

रजनीकांत की 'धर्मन की शूटिंग का दूसरा शेड्यूल पूरा, खास वीडियो ने बढ़ाई प्रशंसकों की उत्सुकता

बॉ

सुपरस्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित तमिल फिल्म 'धर्मन का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। निर्देशक अश्वथ मारिमुथु के निर्देशन में बन रही फिल्म की शूटिंग का दूसरा चरण हाल ही में पूरा हुआ है। निर्माताओं ने इस मौके पर रजनीकांत की मौजूदगी वाला एक विशेष वीडियो जारी किया है, जिसे प्रशंसकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के शीर्षक और प्रथम झलक वाले पोस्टर को पहले ही जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल चुकी है। पोस्टर में रजनीकांत के किरदार 'धर्मन को 'द डेडली डॉक्टर यानी 'घातक डॉक्टर की दिलचस्प पहचान के साथ पेश किया गया है। इस टैगलाइन ने फिल्म की कहानी और रजनीकांत के किरदार को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। शूटिंग का दूसरा चरण पूरा होने के बाद जारी किए गए वीडियो में रजनीकांत की शानदार मौजूदगी देखने को मिली है।

फिल्म के निर्माण कार्य में तेजी आने के साथ ही यह परियोजना तमिल सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल होती जा रही है। निर्माताओं ने फिल्म की कहानी से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी साझा नहीं की है, लेकिन प्रथम झलक और रजनीकांत के किरदार के परिचय ने फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता पैदा कर दी है। 'धर्मन की सबसे खास बात यह है कि यह लंबे समय से दोस्त रहे दिग्गज अभिनेता रजनीकांत और कमल हासन को एक परियोजना के लिए साथ ला रही है। कमल हासन और आर. महेंद्रन द्वारा राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। यह फिल्म राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के साथ रजनीकांत की पहली अभिनय परियोजना है। ऐसे में दोनों दिग्गजों का यह सहयोग फिल्म को और खास बना रहा है। फिल्म का निर्देशन अश्वथ मारिमुथु कर रहे हैं। वह 'ओह माय कडावुले, 'ओरी देवुडा और 'ड्रैगन जैसी फिल्मों में अपनी अलग कहानी कहने की शैली के लिए पहचाने जाते हैं। 'धर्मन में रजनीकांत के साथ सिमरन और राशि खन्ना भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगी।

फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है, जबकि मारधाड़ वाले दृश्यों की जिम्मेदारी अनबरीव ने संभाली है। फिल्म की छायांकन की जिम्मेदारी निकेत बोम्मीरेड्डी संभाल रहे हैं। कार्तिक राजकुमार कला निर्देशन और प्रदीप ई. राघव संपादन का काम देख रहे हैं। फिल्म के निर्माण में डिज्नी भी सह-निर्माता के रूप में शामिल है। रजनीकांत की लोकप्रियता, कमल हासन के साथ उनका विशेष जुड़ाव और अश्वथ मारिमुथु की अलग कहानी कहने की शैली को देखते हुए 'धर्मन को लेकर तमिल सिनेमा के दर्शकों में अभी से काफी उत्सुकता बनी हुई है।

चिरंजीवी की 'काका में अनस्वरा राजन की एंट्री, बोलीं- मेगा स्टार के साथ काम करना गौरव की बात

अभिनेत्री अनस्वरा राजन इन दिनों अपनी आगामी तेलुगु फिल्म 'काका को लेकर काफी उत्साहित हैं। मलयालम सिनेमा में अपनी पहचान बना चुकीं अनस्वरा ने तेलुगु फिल्म जगत में अभी केवल एक फिल्म के जरिए कदम रखा है, लेकिन अब उन्हें अभिनेता चिरंजीवी की आगामी फिल्म 'काका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका मिला है। फिल्म का निर्देशन बॉबी कर रहे हैं। अनस्वरा ने रोशन की फिल्म 'चैंपियन के जरिए तेलुगु सिनेमा में पदार्पण किया था। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन अनस्वरा के अभिनय की काफी सराहना हुई। इसके बाद से ही माना जा रहा था कि तेलुगु फिल्म उद्योग में उनका भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। अब अनस्वरा को चिरंजीवी की फिल्म 'काका में अहम भूमिका मिलने से उनके प्रशंसकों में भी उत्साह है। फिल्म की रिलीज से पहले आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री ने चिरंजीवी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। अनस्वरा ने कहा, मैं चिरंजीवी सर के साथ पर्दा साझा करने को लेकर खुश और गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। सेट पर उन्हें देखकर मैंने बहुत कुछ सीखा है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें उम्मीद है कि चिरंजीवी के प्रशंसकों समेत दर्शकों को 'काका सिनेमाघरों में जरूर पसंद आएगी। अनस्वरा राजन को उनके करियर के शुरुआती दौर में ही चिरंजीवी जैसे बड़े अभिनेता के साथ काम करने का अवसर मिलने को लेकर फिल्म जगत में भी चर्चा है। कई लोग अभिनेत्री की किस्मत और उनके अब तक के प्रदर्शन की तारीफ कर रहे हैं। 'चैंपियन में उनके अभिनय की सराहना के बाद 'काका में महत्वपूर्ण भूमिका मिलना अनस्वरा के लिए तेलुगु सिनेमा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस फिल्म के जरिए उन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों के बड़े वर्ग तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। अनस्वरा की लोकप्रियता और चिरंजीवी के साथ उनकी आगामी फिल्म को देखते हुए माना जा रहा है कि 'काका की सफलता उनके तेलुगु फिल्म करियर के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। फिल्म के प्रदर्शन के बाद उन्हें तेलुगु सिनेमा में और भी बड़ी फिल्मों के प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है। फिलहाल अनस्वरा 'काका की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं और उन्हें भरोसा है कि फिल्म में चिरंजीवी के साथ उनका काम दर्शकों को पसंद आएगा।

रिश्तों का हिसाब मीडिया के सामने नहीं रखना चाहती

हाल ही में भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने शो 'भोजपुरी बवाल' में अभिनेत्री अक्षरा सिंह के मुश्किल दौर का जिक्र करते हुए दावा किया था कि जब इंडस्ट्री के कई लोग उनसे दूरी बना रहे थे, तब उन्होंने खुलकर उनका साथ दिया था। इन दिनों अक्षरा सिंह एक बार फिर आम्रपाली दुबे और पवन सिंह से जुड़े पुराने विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। पूर्व में अभिनेत्री आम्रपाली ने कहा था कि अक्षरा के समर्थन के कारण अगर पवन सिंह उनसे नाराज होते या उनके साथ काम नहीं करते, तो भी उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। अब अक्षरा ने इन बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह पुराने रिश्तों और मदद का हिसाब लेकर मीडिया के सामने नहीं बैठना चाहतीं। अक्षरा ने कहा कि हर व्यक्ति की अपनी गरिमा होती है और निजी रिश्तों को मनोरंजन का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मामला काफी पुराना हो चुका है और वह बार-बार इस पर बात नहीं करना चाहतीं। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि उन्हें इस पूरे घटनाक्रम पर अब हंसी आती है और वह चाहती हैं कि इस मुद्दे को आगे न बढ़ाया जाए। आम्रपाली के उस बयान पर भी अक्षरा ने प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि अक्षरा ने बाद में इंडस्ट्री में किसी के साथ नहीं देने की बात कही थी, जबकि वह खुद उनके मुश्किल समय में साथ खड़ी थीं।

रुबीना दिलैक-हिना खान ने असीम रियाज के व्यवहार पर उठाए सवाल

हाल ही में एक पॉडकास्ट में रुबीना दिलैक और हिना खान ने असीम रियाज के व्यवहार और रियलिटी शोज की सफलता में उनके योगदान से जुड़े दावों पर टिप्पणी की थी। इस पर पलटवार करते हुए असीम ने टीवी इंडस्ट्री के सितारों को कठपुतली बनकर अपने किरदार निभाते रहने की सलाह दी। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किए गए असीम रियाज के इस बयान के बाद विवाद और गहरा गया है। दरअसल, रुबीना दिलैक और उनके पति अभिनव शुक्ला 'द4पीओवी' नाम से पॉडकास्ट की मेजबानी करते हैं। हाल ही में इसके एक एपिसोड में हिना खान और उनके पति रॉकी जयसवाल मेहमान के तौर पर शामिल हुए थे। बातचीत के दौरान पब्लिसिटी, विवाद और रियलिटी शोज की लोकप्रियता में प्रतिभागियों की भूमिका पर चर्चा हुई। इसी दौरान असीम रियाज के उन दावों का भी जिक्र हुआ, जिनमें उन्होंने रियलिटी शोज की सफलता और टीआरपी में अपनी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया था। एक इंटरव्यू का हवाला देते हुए हिना खान ने कहा कि असीम ऐसा प्रदर्शित कर रहे थे, जैसे उनकी वजह से ही 'बिग बॉस', 'खतरों के खिलाड़ी' और 'बैटलग्राउंड' जैसे कार्यक्रमों को लोकप्रियता मिली हो। वहीं रुबीना ने असीम के साथ 'बैटलग्राउंड' और 'खतरों के खिलाड़ी' में अपने अनुभव साझा करते हुए उनके व्यवहार पर सवाल उठाए। रुबीना ने आरोप लगाया कि 'बैटलग्राउंड' की शूटिंग के दौरान असीम क्रू और क्रिएटिव टीम के सदस्यों के साथ कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने यह भी कहा कि असीम को इस बात का घमंड है कि उन्हीं की वजह से शो सफल होते हैं और टीआरपी हासिल करते हैं। रुबीना ने उन्हें शो के लिए परेशानी का सबब बताते हुए उनके मौजूदा करियर पर भी सवाल उठाया। इन टिप्पणियों के बाद असीम ने एक्स पर एक नोट साझा करते हुए लिखा कि उन्होंने पॉडकास्ट की एक क्लिप देखी, जिसमें टीवी इंडस्ट्री के लोग इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि वह हर रियलिटी शो में टीआरपी लाते हैं। इसके बाद उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह टीआरपी लाते हैं और संबंधित सितारों को अपने करियर के लिए शुभकामनाएं देते हुए इंडस्ट्री में कठपुतली बनकर अपने रोल निभाते रहने की सलाह दी। असीम रियाज 'बिग बॉस 13' में अपनी मजबूत मौजूदगी और बेबाक अंदाज के कारण चर्चा में आए थे।

एनबीके111 के शीर्षक से उठा पर्दा, 'दादा बनकर खौफ पैदा करेंगे बालकृष्ण, 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी फिल्म

दक्षिण भारतीय फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता नटसिम्हा बालकृष्ण एक बार फिर अपने दमदार और आक्रामक अंदाज में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। बालकृष्ण और निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी की जोड़ी आगामी फिल्म 'दादा के लिए एक बार फिर साथ आई है। फिल्म को फिलहाल एनबीके111 के नाम से भी जाना जा रहा था। निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक और प्रदर्शन की तारीख जारी कर दी है। निर्माताओं के अनुसार, फिल्म 24 दिसंबर 2026 को क्रिसमस के अवसर पर बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म के शीर्षक ने सामने आते ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। 'दादा को लेकर दर्शकों में इसलिए भी खास उत्साह है, क्योंकि बालकृष्ण और गोपीचंद मालिनेनी इससे पहले 'वीरा सिम्हा रेड्डी जैसी सफल जन-मनोरंजन और मारधाड़ से भरपूर फिल्म दे चुके हैं। दोनों की पिछली फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। ऐसे में इस नई फिल्म से भी काफी उम्मीदें लगाई जा रही हैं। निर्माताओं ने जिस अंदाज में फिल्म की पहली झलक पेश की है, उससे साफ है कि यह भी बड़े पैमाने की कार्रवाई और मनोरंजन से भरपूर फिल्म होगी। फिल्म की जारी की गई 1 मिनट 12 सेकंड की झलक में बालकृष्ण का बेहद आक्रामक रूप देखने को मिलता है। दृश्य में उन्हें कई खलनायकों से घिरा हुआ दिखाया गया है। इसके बाद फिल्म का शीर्षक सामने आता है और बालकृष्ण अपने खास अंदाज में विरोधियों को कड़ी चेतावनी देते नजर आते हैं। फिल्म के संगीतकार थमन का पृष्ठभूमि संगीत इस पूरे दृश्य को और प्रभावशाली बनाता है। बालकृष्ण का संवाद अदायगी और उनका आक्रामक व्यक्तित्व झलक में फिल्म के तेवर को स्पष्ट करता है। फिल्म में अभिनेत्री काजल अग्रवाल मुख्य महिला भूमिका में नजर आएंगी। बताया गया है कि वह मुंबई की एक दमदार पुलिस अधिकारी का किरदार निभाएंगी। उनके किरदार को भी फिल्म की कहानी में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं, अभिनेता मंचू मनोज के फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाने की चर्चा है। हालांकि, उनके किरदार को लेकर निर्माताओं की ओर से विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। 'दादा का निर्माण वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म के निर्माता वेंकट सतीश किलारू हैं। बालकृष्ण और गोपीचंद मालिनेनी की पिछली सफल साझेदारी को देखते हुए इस परियोजना को लेकर दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग में भी काफी उम्मीदें हैं। फिल्म को क्रिसमस के अवसर पर 24 दिसंबर को बड़े पैमाने पर रिलीज करने की तैयारी है। बालकृष्ण के प्रशंसकों के लिए यह फिल्म साल के अंत में एक बड़े मनोरंजक अनुभव के रूप में सामने आ सकती है।

सीरीज शक की रिलीज तारीख आई, लापता बच्चे की तलाश भटकती दिखेंगी परिणीति चोपड़ा

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा एक बार फिर डिजिटल मंच पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी रहस्य-रोमांचक श्रृंखला 'शक : ट्रस्ट नो वन की प्रदर्शन तिथि घोषित कर दी गई है। इस श्रृंखला का निर्माण चर्चित फिल्म निर्माता सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने किया है, जबकि इसका निर्देशन रेनसिल डीसिल्वा ने किया है। पहले इस श्रृंखला का नाम 'तलाश : ए मदर्स सर्च रखा गया था, जिसे अब बदलकर 'शक : ट्रस्ट नो वन कर दिया गया है। निर्माताओं के अनुसार, बदला हुआ नाम श्रृंखला की रहस्यमय कहानी और उसमें मौजूद संदेह के माहौल को बेहतर तरीके से दर्शाता है। डिजिटल मंच नेटफ्लिक्स ने श्रृंखला के प्रदर्शन की तारीख की घोषणा की है। मंच की ओर से श्रृंखला का पोस्टर जारी करते हुए लिखा गया, शक की सुई चल पड़ी है, तारीख नजदीक आ रही है। 'शक : ट्रस्ट नो वन को 24 सितंबर, 2026 से नेटफ्लिक्स के सदस्य दर्शक देख सकेंगे। श्रृंखला की घोषणा इसी साल की शुरुआत में की गई थी और तब से परिणीति चोपड़ा के प्रशंसकों के बीच इसे लेकर उत्सुकता बनी हुई थी। 'शक : ट्रस्ट नो वन की कहानी एक मां और उसके नौ साल से लापता बच्चे की तलाश के इर्द-गिर्द घूमती है। बच्चे के अचानक गायब होने के बाद मां उसकी तलाश में जुटती है। इस दौरान उसके सामने कई ऐसे सवाल और रहस्य सामने आते हैं, जो कहानी को रहस्य और रोमांच से भर देते हैं। श्रृंखला में परिणीति चोपड़ा के अलावा ताहिर राज हुसैन, सोनी राजदान, जेनिफर विंगेट, व्यास सुमित और हर्लिन सेठी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस श्रृंखला का निर्माण सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने किया है। वह भविष्य में दिग्गज अभिनेत्री मीना कुमारी के जीवन पर आधारित जीवनीपरक फिल्म भी लेकर आने वाले हैं। वहीं 'शक : ट्रस्ट नो वन का निर्देशन रेनसिल डीसिल्वा ने किया है, जो रहस्य और गंभीर विषयों को पर्दे पर प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं। परिणीति चोपड़ा की डिजिटल मंच पर वापसी और रहस्य से भरपूर कहानी के कारण 'शक : ट्रस्ट नो वन को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ गई है। अब 24 सितंबर को इसके प्रसारण के बाद यह देखना होगा कि श्रृंखला दर्शकों की उम्मीदों पर कितनी खरी उतरती है।

रिलीज से पहले 'वाइब का छाया खुमार, कुणाल खेमू की फिल्म का टाइटल ट्रैक 'ऐसी मेरी वाइब जारी

अभिनेता कुणाल खेमू की आगामी फिल्म 'वाइब अपनी रिलीज से पहले ही दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। ड्रोंगो फिल्म्स के बैनर तले बनी इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म के ट्रेलर को कुछ दिन पहले जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। अब निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक गीत 'ऐसी मेरी वाइब जारी कर दिया है।

गाने में फिल्म के सभी प्रमुख कलाकार एक साथ नृत्य करते नजर आ रहे हैं। इसका फिल्मांकन कुणाल खेमू, प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर पर किया गया है। गाने में कुणाल खेमू और स्पर्श श्रीवास्तव का जोशीला नृत्य खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। 'ऐसी मेरी वाइब को खिलारी, इरफाना और कन्फ्यूजन ने अपनी आवाज दी है। कनिष्क पाल ने गाने का संगीत तैयार

किया है, जबकि इसके बोल शुभम सोपान, खिल्लारी और इरफाना हमीद ने लिखे हैं। तेज और जोशीले संगीत से भरपूर यह गाना युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। गाने में फिल्म के प्रमुख कलाकारों की ऊर्जा और नृत्य का अंदाज देखने को मिलता है। माना जा रहा है कि इसकी धुन और प्रस्तुति दर्शकों को थिरकने के लिए मजबूर कर सकती है। इससे पहले 'वाइब का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। ट्रेलर में एक्शन और हास्य का मिश्रण देखने को मिला था। फिल्म की कहानी और कलाकारों के किरदारों को लेकर भी दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म का निर्देशन और कहानी से जुड़ी अन्य जानकारी निर्माताओं की ओर से धीरे-धीरे सामने लाई जा रही है। टाइटल ट्रैक जारी होने के बाद फिल्म के प्रचार अभियान को भी गति मिलने की उम्मीद है। 'वाइब का निर्माण टिप्स फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। फिल्म में कुणाल खेमू और प्रीति जिंटा के साथ स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 18 सितंबर, 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के ट्रेलर और अब जारी किए गए शीर्षक गीत को मिली प्रतिक्रिया के बाद दर्शकों की नजर इसकी सिनेमाघरों में रिलीज पर टिकी है।

BRIFF NEWS

Love, not hatred drives RSS work Bhagwat

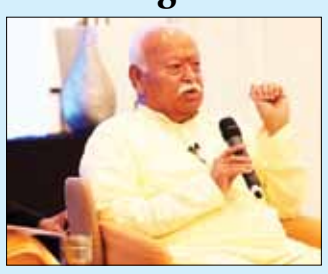

New Delhi, Agency: Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) chief Mohan Bhagwat on Sunday said the organisation's work is founded not on hatred but on "pure and saintly love". "I heard some people say intense hatred is the basis of our work. It is just the reverse. 'Shuddha Sadhvik Prem' (pure and saintly love), that is the basis of our work," he said while addressing a gathering in London.

He said the Hindu civilisational identity is rooted in the belief that diversity and unity can coexist, arguing that differences among people should be seen as varied expressions of an underlying oneness.

Relief in Congress as all factions accept Pilot as Punjab handler

New Delhi, Agency: Faced with turmoil over the state leadership in Punjab, Congress has heaved a sigh of relief as politicians cutting across factional lines have welcomed Sachin Pilot's appointment as party incharge of the poll-bound state in place of Bhupesh Baghel.

Former Punjab chief minister Charanjit Channi and Lok Sabha MP Sukhjinder Randhawa, who lead the dissident group gunning for state president Amarinder Singh Raja Warring, extended their best wishes to Pilot. Warring too has welcomed Pilot's appointment.

PM Modi's remark triggers Kharge-Nabin exchange

New Delhi, Agency: BJP and Congress chiefs Sunday sparred over PM Narendra Modi's 'naraaz fufa' (disgruntled uncle) jibe at opponents and critics, with Mallikarjun Kharge questioning the PM's use of such labels and Nitin Nabin responding that his counterpart's criticism was yet another confirmation of his party's negative mindset.

In a post on X in Hindi, Kharge said, "Modi ji's modus operandi is to suppress questions in a democracy and give the opposition a new adjective every year so that his own failures remain hidden! Naraaz fufa, dimagi Naxal, urban Naxal, Khan Market gang, andolanjeevi, parjeevi..." The adjectives for the opposition may keep changing, but Modi govt's "anti-people policies" do not change, Kharge added. He asked the govt to listen to 'Chhatron Ki Goonj' as solutions won't come from beating around the bush. In response to this, Nabin justified the PM's colloquial jibe saying the opposition has indeed been acting like that one uncle in the family who always sulks and can never see or appreciate good things.

Regional Journal: Nabin's Rasputin moment

New Delhi, Agency: BJP president Nitin Nabin this week found himself at the centre of a controversy that wasn't of his making but that of the party's social media team. Nabin was criticised by the Congress and TMC after he shared on X the video of his meeting with the Russian envoy to India Denis Alipov with the 1978 Boney M hit song "Ra Ra Rasputin" filling the background. The Opposition called the choice of song on the controversial and divisive figure in Russia as comical and tasteless.

Belgian Prime Minister Bart De Wever had planned to present PM Narendra Modi with a chocolate replica of the India Gate. But the gift was not to be. It was unable to make the journey to Delhi and broke midway. De Wever has, however, vowed to have another version of the gift delivered to his Indian counterpart

in one piece.

Missing IAS officers in Assembly: The absence of IAS, IPS and other senior officers from the officers' gallery in the Himachal Pradesh Vidhan Sabha on the final day of the monsoon session left the Opposition BJP fuming. Leader of Opposition Jai Ram Thakur alleged that after Chief Minister Sukhvinder Singh Sukhu left for Delhi, none of the senior officials deemed it necessary to be present in the House. "We will take up the issue of the absence of senior officers, including the Chief Secretary, DGP and others, from the House," Speaker Kuldeep Pathania said.

Gurdaspur civic body officials did not think twice before dumping garbage along both sides of a road. Nothing seemed amiss until one reached a signboard that read: "This road has been constructed by CM Bhagwant Mann." When images of the scene surfaced on social media, officials swiftly switched to damage-control mode. In the end, they chose to clear the filth because, obviously, the signboard could not be removed.

Martyrs as 'cure' for depression: Himachal BJP MLA Satpal Satti, while speaking in the Vidhan Sabha, expressed surprise over the growing incidence of depression among the youth. Remarking that 20-year-olds were once considered capable of fighting a tiger, Satti wondered why so many youth were ending their lives. As a remedy, he suggested that youngsters be reminded that they belong to the land of martyrs such as Bhagat Singh, Khudiram Bose and Mangal Pandey, who embraced death with a smile. A doctor quipped it may take some time before depression and other mental health issues are fully understood and accorded the seriousness they deserve.

INLD chief Abhay Singh Chautala mocked the Haryana Assembly's monsoon session as a "Jeb phaado aur kohni maaro session", saying public concerns found little space in the proceedings. He was referring to the scuffle between Congress MLAs and security personnel at the Assembly gates. Congress leaders, including former CM Bhupinder Singh Hooda, displayed their torn pockets as proof of alleged high-handedness. The ruling side accused Congress legislators of elbowing security personnel during the confrontation. Three weeks after Punjab Public Works Minister Harbhajan Singh ETO congratulated AAP leader Sarabjot Singh Dhanjal on being appointed Chairman of the Amritsar Improvement Trust (AIT), the official notification is yet to reach the Trust.On August 18, the district public relations office issued a statement saying ETO had greeted Dhanjal on his appointment. However, with no formal orders issued so far, incumbent chairman Karamjit Singh Rintu continues to head the AIT. The unusual situation has triggered chuckles across the city and caused embarrassment to the ruling dispensation.

Military commanders meet at LAC in Arunachal ahead of Chinese President Xi Jinping's visit to India

New Delhi, Agency: A week ahead of Chinese President Xi Jinping's expected visit to India, senior military commanders of India and China met along the Line of Actual Control (LAC) in Arunachal Pradesh on Sunday.

The meeting was held between Corps Commander-level officials at the 'border personnel meeting' point at Wacha, north of Kibithu in Anjaw district of the state, sources have confirmed. The meeting marked the first Corps Commander-level interaction at the Wacha point since it became operational in 2014. The Army's 3 Corps Commander Lt Gen Girish Kalia represented India. A Corps Commander is responsible for a

designated operational area. The Corps oversees a major portion of the 1,140-km LAC in Arunachal Pradesh. The development comes just a week ahead of the BRICS Leader's Summit, where Xi, among other leaders like Russia's Vladimir Putin, is scheduled to arrive in New Delhi. The meeting at the LAC comes less than a month after a misunderstanding between the two militaries near Taksing in the Upper Subhansiri district of Arunachal Pradesh. Taksing is also under the command of 3 Corps. Sources said the Army had maintained a firm stance in responding to Chinese troop activity in the area.

India and China have different perceptions of the LAC in their territories and at times, that leads to issues on the ground. So far, there is no official statement by the Ministry of Defence. However, sources said the Corps Commander-level meeting discussed ways of maintaining peace along the LAC.

Security forces bolster presence in areas prone to Naxal regrouping

New Delhi, Agency: Even as key Naxal leaders have either surrendered, been arrested or killed, security forces are being deployed in areas where there is a possibility that surviving underground cadres may attempt to revive the movement.

These so-called "liberated zones", where remnants of the Naxal network could seek to regroup and plan renewed operations, are being specially identified and reinforced with additional personnel, sources familiar with the matter said. According to the sources, such areas are being mapped in both Chhattisgarh and

Jharkhand, states that have long been considered strongholds of Left-wing extremism.

These zones will witness the deployment of a larger number of troops, primarily from the CRPF, to counter any attempt by underground or hidden Naxal cadres to revive their activities.

The sources said villages in and around districts such as Jagdalpur and Sukma in Chhattisgarh were among the areas under close watch.

Although the Centre has declared India officially Naxal-free, particularly after the March 31, 2026 deadline set by Union Home Minister Amit Shah for affected states to encourage the surrender of Maoist cadres and commanders, the government continues to assess the operational strength and capacity of any surviving elements to carry out attacks in these so-called liberated zones.

The objective is to ensure that residual Naxal cadres do not regroup and re-establish their networks, the sources said. In view of this assessment, additional deployments have been made in vulnerable areas, they added. Meanwhile, between January and July 2026, 40 Maoists were neutralised, 71 were apprehended and 336 surrendered, according to official figures cited by the sources.

Major surrenders during this period were reported from Chhattisgarh, Odisha and Maharashtra.

Punjab urges President, PM to stall new Chief Justice's swearing-in

New Delhi, Agency: In an unprecedented confrontation between the executive and the judiciary, the Punjab Cabinet on Sunday unanimously passed a resolution opposing the appointment of Justice Ashwani Kumar Mishra, the acting Chief Justice of the Punjab and Haryana High Court, as the Chief Justice. The move came hours after the Centre issued a late-night notification on Saturday appointing Justice Mishra to the post. At a hurriedly convened Cabinet meeting, the state government appealed to President Droupadi Murmu, Prime Minister Narendra Modi and Governor Gulab Chand Kataria to put the appointment and the scheduled oath-taking ceremony on hold until "mandatory approval" from the state was taken. Justice Mishra is scheduled to be sworn in by Governor Kataria on Monday morning. Chief Minister Bhagwant Mann, who is in Delhi, is unlikely to attend the ceremony.

Most ministers joined the emergency meeting through video-conferencing. During the meeting, the Cabinet examined the Memorandum of Procedure (MoP) governing the appointment and transfer of high court judges and chief justices.

According to the Cabinet, Paragraph 6 of the MoP stipulates that after receiving the recommendation of the Chief Justice of India, the Union Law Minister would obtain the views of the state government concerned before forwarding the proposal to the Prime Minister for advice to the President. "However, in complete disregard of the MoP and established constitutional norms, the Union Government hurriedly notified the appointment of the Chief Justice of the Punjab and Haryana High Court without awaiting the response of the state government," a Cabinet statement said. After the meeting, Mann accused the Centre of systematically undermining Punjab's constitutional rights.

"The Centre is continuously attacking the rights of Punjab. The appointment of the new Chief Justice has been made without taking consent or following the prescribed procedure," he said.The Chief Minister linked the issue to what he described as a broader pattern of federal overreach, alleging that the Centre had withheld Rs 9,000 crore in Rural Development Fund (RDF) dues, not released the announced Rs 1,600 crore flood-relief package and amended the rules governing the Bhakra Beas Management Board (BBMB) to dilute Punjab's rights over river waters.

No political boundaries endorsed under UN map resolution: MEA

New Delh, Agency: Two days after the UN General Assembly adopted a resolution promoting equal-area map projections that more accurately represent the size of continents, the Ministry of External Affairs (MEA) on Sunday clarified that the UN has not adopted or authenticated any map depicting political boundaries.MEA spokesperson Randhir Jaiswal responded to the matter on Sunday as several international media houses published a map showing erroneous political boundaries of India to depict the new UN-approved map.

Jaiswal said, "The UN resolution neither adopts nor authenticates any particular world map, nor does it address political cartography, including international boundaries, disputed territories or names of places."

India voted in favour of the resolution, which was passed by 164 votes to one, as countries endorsed a decision promoting map projections that more accurately reflect the true size of continents.

Jaiswal said: "The resolution does not constitute endorsement

of any specific map, projection or depiction of national boundaries."

"India's sovereign territory, including the union territories of Jammu and Kashmir and Ladakh, must be depicted in accordance with India's official map. Any inaccurate or misleading depiction is unacceptable. Our position on India's sovereignty and territorial integrity is clear, consistent and non-negotiable," Jaiswal said.The UN resolution on September 4 adopted a resolution encouraging the use of equal-area world map projections. The resolution was titled "Correct the Map: Rebalancing Global Cartographic Representation and Promoting Equitable Representation of the World's Regions, Particularly Africa".

Uttarakhand waqf board bid to align nikahnama with UCC draws opposition

New Delhi, Agency: Uttarakhand waqf board's plan to introduce a revised marriage contract, or nikahnama, within a month "to align it with the Uniform Civil Code" has not gone down well with All India Muslim Personal Law Board (AIMPLB), which has challenged UCC in the

high court.

AIMPLB spokesperson SQR Ilyas said that the board opposes any such move by state waqf board and state govt and wants to reiterate that the nikahnama should not be revised till Uttarakhand HC gives its judgement. "Our view is clear that Muslim Personal Law (Shariat) Application Act exists and is a valid Indian law.

Govt in a tangle over Supreme Court ruling on 'creamy layer'

New Delhi, Agency: The Centre is in a tangle over Supreme Court's landmark judgement on "creamy layer" that paved the way for induction in the elite civil services of OBC candidates who had cleared the examinations over past ten years but were denied appointments. On Aug 25, govt approached the apex court seeking clarification on the Rohit Nathan judgement that laid down that "salary" could not be added to the "income" to determine if a candidate from a PSU background falls in the "creamy layer" - like it is done for OBCs from non-PSU families.

Govt, while seeking that it be allowed to go ahead with allocation of service for Civil Services-2025 without implementing the Nathan judgement, also raised questions about the SC's definition of "creamy layer".

But barely a week ago, Centre told Central Administrative Tribunal (CAT) that it intended to execute the SC order of March 11. "A decision has been made to implement the decision in terms of the judgement rendered by SC in Union of India vs Rohit Nathan," the ASG told the principal bench of CAT. On Aug 19, CAT was hearing a contempt petition against Centre as an OBC candidate, Basant Singh, had sought that the bench enforce its earlier order for his induction in civil services. His case was similar to those of candidates in whose favour SC delivered the Nathan judgement.

"It is further submitted by the learned ASG that 56 similarly placed candidates are also being considered along with the applicant," CAT quoted the ASG as submitting. CAT put off the case based on Centre's undertaking that necessary steps were being taken to implement the Nathan judgement.